



गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

वर्ष : 12

अंक : 27

पृष्ठ : 08

नई दिल्ली

शुक्रवार 12 अगस्त 2022

मूल्य : 1.50/-

मुख्य अपडेट

पेज 3

जैन आचार्य लोकेशजी ने वियतनाम दूतावास के नए भवन के शुभारंभ पर भगवान महावीर वाणी का संगान किया

पेज 5

युवती को होटल में बुलाकर मुंह में भर दिया मिर्चा, चापड़ से किये वार, डेढ़ सी से ज्यादा लगे टांके

पेज 7

अब नेपाल को अपने चुंगल में फंसाएगा चीन, अरबों रुपये की सहायता का ऐलान; क्रॉस-हिमालयन रेलवे पर भी सहमति

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में बादल फटने से 4 की मौत

महाराष्ट्र में भारी बारिश का अलर्ट; कुल्लू में 10 दुकानें बर्ही



नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से हालात बिगड़े हुए हैं। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में गुरुवार को बादल फट गया। इससे दोनों जगह 2-2 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि महाराष्ट्र में अगले 4-5 दिन तक बारिश का दौर नहीं थमेगा। वहीं, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और बिहार में हल्की बारिश के आसार हैं। उत्तराखंड में तेज बारिश के चलते अर्रिज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, ओडिशा, छत्तीसगढ़, विदर्भ, गुजरात, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र और तेलंगाना में भारी बारिश का अनुमान है।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटने से दो लोगों की मौत

जम्मू-कश्मीर के रामबन में गुरुवार को बादल फट गया। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। लैंडस्लाइड और पत्थर गिरने से नेशनल हाईवे पर वाहनों की आवाजाही थम गई। प्रशासन ने पहले ही तेज बारिश की चेतावनी जारी की थी।

महाराष्ट्र के कई जिलों में अलर्ट

मौसम विभाग ने गुरुवार को महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इसमें पालघर, रत्नागिरी, नासिक,

कोल्हापुर, सतारा, अकोला, अमरावती, बुलढाणा, गोंदिया, चंद्रपुर, नागपुर, वर्धा, वाशिम और यवतमाल शामिल हैं।

राजस्थान के 17 जिलों में बारिश का अलर्ट

राजस्थान में पिछले 2 दिनों से जबरदस्त बारिश हो रही है। आज जयपुर, अलवर, भरतपुर, दौसा, करौली, धौलपुर, सवाई माधोपुर में हल्की रिमझिम बारिश का दौर चल रहा है। विभाग ने 12 अगस्त को अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा,

डूंगरपुर समेत 17 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल में बादल फटने से 20 से अधिक घरों को नुकसान हिमाचल प्रदेश में बीती रात से ही तबाही की बारिश हो रही है। कुल्लू के आनी और निरमंड ब्लॉक में बादल फटने की घटनाएं हुईं। आनी की देवती पंचायत में बीती रात तीन बजे के करीब बादल फटने के बाद खेड़ गांव में मकान पर मलबा गिर गया। इसकी चपेट में आकर 60 साल की महिला और 16 साल की बच्ची की मौत हो गई। बागीपुल के स्वाह और चनाई गांव में भी बादल फटने के बाद बाढ़ से 20 से अधिक घरों को नुकसान हुआ।

बांदा में यमुना में पलटी नाव, 35 डूबे, 3 की मौत, 17 लापता

सर्चिंग जारी; पतवार टूटने से हुआ हादसा



बांदा। बांदा से फतेहपुर जा रही नाव यमुना नदी में डूब गई। नाव में 35 लोग सवार थे। इसमें 17 लापता बताए जा रहे हैं। जबकि 15 लोग तैरकर बाहर आ गए। अब तक 3 शव बरामद हुए हैं। अंधेरा होने पर तलाशी रोक दी गई है। DIG विपिन कुमार मिश्रा ने बताया, SDRF की 11 लोगों की टीम मौके पर है। एक एक प्लाटून PAC भी भेजी गई है। सुबह सच

ऑपरेशन शुरू किया जाएगा। गुरुवार को दोपहर 3 बजे महिलाएं रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिए नाव पर सवार होकर मायके जा रही थीं। पानी का बहाव तेज होने से पतवार टूट गई, जिससे नाव अनियंत्रित होकर डूब गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है, 10 से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। नाव पर 20 लोगों के बैठने की क्षमता

इनकी हुई मौत

- फुलवा (45) निवासी सावला डेरा जरीरी जिला फतेहपुर।
- किशन (1) पुत्र दिनेश यादव, निवासी मर्गा।
- राजरानी (40) निवासी कडहन जिला फतेहपुर।

थी। जबकि 35 लोगों के अलावा कुछ मोटरसाइकिल भी लदी थीं। नाव पलटने की घटना पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी, DIG, NDRF और SDRF की टीम को तत्काल मौके पर जाने के निर्देश दिए। मौके पर पहुंचे SP अभिनंदन ने बताया, एक पुरुष, एक महिला और एक साल के बच्चे का शव मिला है।

बीच धार में पहुंचते ही पलटी नाव

रक्षाबंधन पर समग्रा गांव से महिलाएं और अन्य लोग मरका घाट पर पहुंचे थे। यमुना नदी पार करके फतेहपुर जिले के असोथर घाट जाने के लिए नाव पर 35 लोग सवार हुए थे। यमुना नदी में बीच धारा में पहुंचते ही नाव बैलेंस बिगड़ गया और वह पलट गई।

15 अगस्त के पहले उरी जैसे हमले की कोशिश नाकाम

2 आतंकी ढेर, सेना के 4 जवान भी शहीद

राजौरी। 15 अगस्त से पहले जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के परगल में उरी हमले जैसी साजिश नाकाम कर दी गई। यहां कुछ आतंकीयों ने बुधवार देर रात आर्मी कैम्प में घुसने की कोशिश की। इसके बाद सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें दो आतंकी मार गिराए। फायरिंग में सेना के तीन जवान सूबेदार राजेंद्र प्रसाद, राइफलमैन मनोज कुमार और राइफलमैन लक्ष्मण डी मौके पर ही शहीद हो गए। 15 जवान जखमी भी हुए। घायल जवानों में शामिल राइफलमैन निशांत मलिक ने रात करीब 9 बजे दम तोड़ दिया। परगल कैम्प राजौरी से 25 किमी दूर है। 11 राष्ट्रीय राइफल से मिली जानकारी के मुताबिक आर्मी कैम्प पर यह आत्मघाती हमला है। हालांकि हमले में अयोध्याज एक शामिल थे, इसका पता नहीं चल पाया है। इलाके में सच ऑपरेशन भी



चलाया गया। कैम्प में घुसने के दौरान हुई फायरिंग जम्मू जोन के, छत्रक मुकेश सिंह ने बताया, राजौरी के परगल इलाके में स्थित सेना कैम्प की बाड़किसी ने पार करने की कोशिश की थी, इस दौरान दोनों ओर से गोलीयां चलीं। यह जगह दरहाल थाने के तहत आती है। यहां से छह किलोमीटर दूर तक अतिरिक्त दल भेजे गए। 18 सितंबर 2016 को कश्मीर के उरी में सुबह



साढ़े 5 बजे 4 आतंकीवादी सेना के कैम्प में घुसे और हमला कर दिया था। 3 मिनट के भीतर ही आतंकीयों ने 15 से ज्यादा ग्रेनेड फेंके, जिसमें सेना के 19 जवान शहीद हो गए थे। सेना के जवानों ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए आतंकीयों पर फायरिंग की। सेना की जवाबी कार्रवाई में चारों आतंकी मारे गए। इस हमले को लेकर पूरे देश में गुस्सा था। भारतीय सेना ने इस हमले का जवाब देने के लिए 28-29 सितंबर की रात PoK में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। इसमें 38 से

महंगाई, बेरोजगारी को लेकर राहुल-प्रियंका का मोदी पर हमला

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए आज कहा कि उन्हें महंगाई तथा बेरोजगारी नहीं दिखती। बेरोजगारी नहीं दिखती। अपने काले कारनामों को छिपाने के लिए, 'काला जादू' जैसी अंधविश्वासी बातें करके पीएम पद की गरिमा को गिराना और देश को भटकाना बंद कीजिए, प्रधानमंत्री जी। जनता के मुद्दों पर जवाब तो देना ही पड़ेगा। वहीं, वाड़ा ने भी महंगाई को लेकर मोदी पर हमला करते हुए कहा, आप इधर उधर की बात न करें, ये बताएं महंगाई बढ़ाकर क्यों लूटा।

बिहार में 15 अगस्त के बाद मंत्रिमंडल विस्तार

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि बिहार में जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। नीतीश ने यह भी साफ तौर पर कहा कि विपक्ष अब एकजुट होकर आगे बढ़ेगा। उर राष्ट्रपति के एडजस्टमेंट की बात पर नीतीश ने कहा कि एक आदमी (सुशील मोदी) ने कहा कि मैं उप राष्ट्रपति बनना चाहता था। क्या मजाक है! यह फर्जी है। मेरी ऐसी कोई इच्छा नहीं थी। क्या वे भूल गए कि हमने उन्हें राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति के चुनावों में कितना समर्थन दिया। वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर से BJP पर हमला करते हुए कहा- यह सबको पता है और कौन लोग क्या बोल रहे थे, किसके इशारे पर बोल रहे थे। यह भी सबको पता है। जब यह पूछा गया कि क्या अमित शाह के इशारे पर उनके छोटे नेता हमला बोल रहे थे तो मुख्यमंत्री ने कहा, क्या कुछ हो रहा था यह पब्लिक डोमेन में है। मुख्यमंत्री से जब पूछा गया कि



मंत्रिमंडल का विस्तार कब किया जाएगा तो उन्होंने साफ कहा कि बहुत जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार कर दिया जाएगा। हालांकि, उन्होंने तारीख नहीं बताई है। कयास लगाया जा रहा है कि 15 अगस्त के बाद कभी भी मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से गृह विभाग को लेकर भी सवाल किया गया, लेकिन नीतीश ने इसका कोई सीधा जवाब नहीं दिया। नीतीश यह कहकर आगे बढ़ गए कि इसकी चिंता आप क्यों कर रहे हैं। नीतीश गुरुवार को पटना में 7 शहीदों की श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे थे। उनके साथ यहां तेजस्वी यादव भी मौजूद थे।

जगदीप धनखड़ ने उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति का पदभार संभाला

नयी दिल्ली। श्री जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को राष्ट्र के चोहदरों उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति के रूप में पदभार ग्रहण किया। पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल धनखड़ को राष्ट्रपति मुर्मू द्रौपदी ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक शपथ ग्रहण समारोह में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण से पहले श्री धनखड़ ने

सुबह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। धनखड़ ने अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा किताना गांव के सरकारी प्राथमिक विद्यालय से की। इसके बाद, उन्होंने सरकारी मिडिल स्कूल, परधाना और सैनिक स्कूल, चित्तौड़गढ़ में शिक्षा प्राप्त की। अपनी कॉलेज की शिक्षा के लिए, श्री धनखड़ ने महाराजा कॉलेज, जयपुर में प्रवेश लिया और बी.एससी.

(ऑनर्स) भौतिकी की परीक्षा पास की। इसके बाद, उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से कानून में डिग्री हासिल की। उन्होंने एक वकील के रूप में अपना पेशेवर करियर शुरू किया। धनखड़ 1989 में झुंझुनू संसदीय क्षेत्र से संसद के लिए चुने गए थे। इसके बाद, उन्होंने 1990 में संसदीय मामलों के राज्य मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

कोविड टीकाकरण में 207.29 करोड़ से अधिक टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 207.29 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यह गुरुवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक दो अरब 7 करोड़ 29 लाख 46 हजार 592 टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 16 हजार 299 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या एक लाख 25 हजार 76 हो गयी है।

देश में 24 घंटों के दौरान कोरोना से 49 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। वैश्वक महामारी कोरोना वायरस से पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 49 मरीजों ने जान गंवाई है और इसके साथ ही देश में मृतकों की संख्या 526879 हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यह गुरुवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक 207.29 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 16 हजार 299 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में विभिन्न अस्पतालों में उपचार करा रहे कोरोना



रोगियों की संख्या एक लाख 25 हजार 076 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.28 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 4.58 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 19 हजार 431 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 35 लाख 54

हजार 031 लोग कोविड-19 से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.52 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में तीन लाख 76 हजार 153 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 87.92 करोड़ कोविड परीक्षण किए हैं। पंजाब में कोरोना सक्रिय मामलों 429 बढ़ने से इसकी कुल संख्या 13253 हो गयी और इससे निजात पाने वालों की संख्या 747101 हो गयी है। इस महामारी से तीन और मरीजों की जान जाने से अभी तक राज्य में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 17842 हो गया है।

हरियाणा में कोरोना सक्रिय मामले 239 बढ़ने से इसकी कुल संख्या 4777 हो गयी और इससे निजात पाने वालों की संख्या 1023434 हो गयी है। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 10651 है। केरल में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 169 सक्रिय मामले बढ़ने इसकी संख्या 9865 हो गयी है। इस दौरान 1144 लोगों के ठीक होने से इस बीमारी से निजात पाने वाले लोगों 6652519 पहुंच गयी है और इस महामारी से राज्य में अब तक 70592 लोगों ने जान गंवाई है।

रेड आयकर विभाग की टीम बाराती बनकर पहुंची, 58 करोड़ कैश मिला

महाराष्ट्र में 390 करोड़ की बेनामी संपत्ति जब्त

नासिक। महाराष्ट्र के जालाना में आयकर विभाग ने 5 बिजनेस ग्रुप्स के ठिकानों से करीब 390 करोड़ रुपए की बेनामी संपत्ति जब्त की। रेड में इनके यहां से 58 करोड़ रुपए नकद, 32 किलो सोने के आभूषण, 16 करोड़ रुपए के हीरे, मोती मिले। आयकर विभाग की टीम को कैश गिनने में करीब 13 घंटे लगा गए। कुछ कर्मचारियों की कैश गिनते-गिनते तबीयत खराब हो गई। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, एसआरजे स्टील, कालिका स्टील, एक को-ऑपरेटिव बैंक, फाइनेंसर विमल राज बोरा, डीलर प्रदीप बोरा के फैंक्ट्री, घर और



दफ्तरों पर 1 से 7 अगस्त तक यह कार्रवाई की गई। इसकी जानकारी गुरुवार को मीडिया को दी गई। पूरी टीम ने बाराती बनकर शहर में एंटी की। गाड़ियों पर शादी के स्टिकर चिपके थे। कुछ पर लिखा था-

में पांच अलग-अलग टीमों ने अंजाम दिया। आयकर विभाग ने टैक्स चोरी की आशंका जताई थी। कापड़े की 35 थैलियों में नोटों के बंडल रखे

गया। इन्हें गिनने में 10 से 12 मशीनें लगीं। कपड़े की 35 थैलियों में नोटों के बंडल रखे गए थे। गाड़ियों पर 'दुल्हन हम ले जाएंगे' के स्टिकर

जामनगर के होटल एलेंटो में लगी आग

27 लोगों को सुरक्षित निकाला गया, 2 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन; तीन अस्पताल में भर्ती

जामनगर। गुजरात के जामनगर-खंभालिया हाईवे पर सिका पाटिया के पास गुरुवार रात करीब 8 बजे होटल एलेंटो में आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि कुछ ही देर में यह पूरे होटल में फैल गई। हादसे के दौरान 27 लोगों के यहां फंसे होने की सूचना थी। हालांकि दो घंटे की कड़ी मशकत के बाद रेस्क्यू टीम ने अंदर फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जामनगर के SP प्रेमसुख डिल्डू ने बताया कि होटल में 36 रुम के साथ

डाइनिंग और रेस्टोरेंट भी है। 18 कमरों में 27 गेस्ट मौजूद थे। आग की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने रिलायंस, जीएसएफसी और जामनगर फायर ब्रिगेड की टीम को मौके पर भेजा और बचाव का काम जल्द शुरू हो गया। कोई भी बड़ी केजुअल्टी नहीं है। तीन लोगों को थुपें की वजह से सांस लेने में दिक्कत थी उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आग का वीडियो सामने आया होटल में लगी आग के कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि 4 फ्लोर का होटल धू-धू कर जल रहा है। आसपास जुटे लोग अंदर फंसे लोगों को आवाज लगाकर सुरक्षित रास्ते से निकलने की जानकारी दे रहे हैं। होटल ठीक हाईवे से लगे होने के कारण आग सिर्फ होटल बिल्डिंग तक ही सीमित रही। वरना कोई बड़ा हादसा हो सकता था। रेस्क्यू टीम को भी हाईवे की वजह से राहत-बचाव कार्य में दिक्कत नहीं आई और लोगों को जल्दी से सुरक्षित निकाल लिया गया। हालांकि होटल के सामने खड़े कई वाहन आग की चपेट में आने से बुरी तरह जलकर खाक हो गए।

शार्ट न्यूज

खालिस्तानी गुरपतवंत पन्नू के घर कांग्रेस नेता ने फहराया तिरंगा, विदेश से रच रहा साजिश

चंडीगढ़। खालिस्तानी झंडा फहराने वाले को ईनाम देने की घोषणा कर चुके गुरपतवंत पन्नू के घर पर कांग्रेस नेता ने भारतीय तिरंगा फहरा दिया। प्रतिबंधित समूह सिख फॉर जस्टिस (एफएफजे) के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू के चंडीगढ़ स्थित आवास पर गुरवार को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया। दरअसल पन्नू ने इससे पहले सभी प्रमुख स्थानों पर खालिस्तानी झंडा फहराने वाले को नकद इनाम देने की घोषणा की थी। उनकी इस घोषणा के बाद से ही लोगों में गुस्सा था। अब लोगों ने 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले ही पन्नू के आवास पर तिरंगा फहरा दिया। उनके आवास के बाहर कई लोगों को भारतीय झंडा लहराते हुए भी देखा गया। बता दें कि एफएफजे एक यूएस-आधारित खालिस्तानी अलगाववादी समूह है। इसकी स्थापना पन्नू ने की थी। इसे 2019 में भारत में बैन कर दिया गया था । गुरपतवंत सिंह पन्नू की बात करें तो वह अमेरिका में बसा भारत का एक वॉन्टेड आतंकवादी है। वह खालिस्तान समर्थक संगठन सिख्स फॉर जस्टिस का स्वयंभू सरगना भी है। वह अमृतसर के खानकोट गांव में पैदा हुआ था। बाद में वह विदेश चला गया था। वह दूसरे देशों से ही पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से भारत में खालिस्तानी अलगाववादी समूह को जिंदा रखने की कोशिश में है।

अमरनाथ यात्रा का शांतिपूर्ण समापन

श्रीनगर । केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में श्री अमरनाथ यात्रा का गुरुवार को समापन हो गया। इस साल तीन लाख से अधिक लोगों ने पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। उल्लेखनीय है कि खराब मौसम के अलावा पिछले महिने बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में 12 से अधिक तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। वार्षिक अमरनाथ यात्रा हालांकि छह से आठ लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन यह संख्या तीन लाख से अधिक रही। यहत की बात यह रही कि भारी सुरक्षा व्यवस्था के कारण इस साल तीर्थ यात्रियों पर आतंकवादी हमला नहीं किया। गौरलवब है कि घाटी में अप्रैल के बाद से आतंकवादियों की ओर से लक्षित हत्याओं की एक श्रृंखला के बाद तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को लेकर आशंका जतायी जा रही है। इसकी वजह आतंकवादियों की ओर से घाटी में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सदस्योंो सहित कई लोगों की हत्या थीं । ‘छरी मुबारक’ अंतिम पूजा के लिए कश्मीर के हिमालय में स्थित भगवान शिव के पवित्र गुफा मंदिर में पहुंची, जो गुरुवार को रक्षाबंधन के मौके पर इस साल की श्री अमरनाथ यात्रा के औपचारिक समापन का प्रतीक है। तैतालीस दिनों तक चलने वाली वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा कोरोना वायरस के कारण दो साल बाद 30 जून से शुरू हुई थी।

शिक्षक के खिलाफ एक और यौन शोषण का मामला

सिरसा। हरियाणा के सिरसा जिले के डबवाली क्षेत्र के एक राजकीय माध्यमिक बिल्ड कन्या विद्यालय में एक और नाबालिग छात्रा का यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। इस मामले में आरोप शारीरिक शिक्षा शिक्षक पर है। डबवाली महिला पुलिस थाना में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी शारीरिक शिक्षा शिक्षक की धरपकड़ के लिए दबिश दे रही है, मगर आरोपी फरार हो गया है। इससे पहले ही जुलाई माह में एक छात्रा उपरोक्त शिक्षक पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज करवा चुकी है। डबवाली के पुलिस उपाधीक्षक बेनीवाल ने बताया कि एक नाबालिग छात्रा ने पुलिस को शिकायत देकर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। छात्रा ने बताया कि जब वह नवौं कक्षा की छात्रा थी और खेलों में हिस्सा लेती थी तो आरोपी शिक्षक उसे बहला-फुसलाकर उसका यौन शोषण करता रहा। पुलिस ने इस शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। एक और छात्रा के यौन शोषण का मामला सामने आने से गांववासियों में भी उपरोक्त शिक्षक के खिलाफ गुस्सा फूटा हुआ है। पुलिस के अनुसार गत जुलाई में जिस छात्रा की शिकायत पर आरोपी डीपीई टीचर के खिलाफ महिला थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था उसमें आरोपी को कोर्ट से स्टे मिल गया था।

ब्यास नदी का जल स्तर उफान पर, पंडोह डैम के गेट खोले, अलर्ट जारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार भारी बारिश के चलते गुरुवार को ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ने से पंडोह डैम के सभी गेट खोल दिए गए। बीबीएमबी के प्रबंधन ने आज बताया कि भारी बरसात के कारण ब्यास नदी का जल स्तर बढ़ गया जिसके कारण गुरुवार की दोपहर से बांध से पानी छोड़ने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है जो शुक्रवार शाम तक चलेगा। बारिश से पहले डैम का जल स्तर 23000 क्यूसिक था जो अब बढ़कर 55000 क्यूसिक हो गया है। जिनका पानी का क्यूसिक पल्से पीछे से आ रहा है, उनना ही क्यूसिक पल्से पानी डैम से आगे छोड़ा जा रहा है। बीबीएमबी के प्रबंधन ने बताया कि सलापड स्थित पावर हाउस में 24 घंटे बिजली उत्पादन बंद रहेगा। बीबीएमबी प्रबंधन ने लोगों से ब्यास नदी के समीप नहीं जाने की एडवाइजरी दी गई है। पंजाब के लोगों से भी अलर्ट रहने की अपील की गई है क्योंकि ब्यास का पानी हिमाचल से सीधे पंजाब जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहने वाली दूसरी सतलुज, रावी, पब्बर, यमुना, चिनाब का जल स्तर भी अचानक बढ़ गया है।

पंजाब में रेत और बजरी की खनन नीति में संशोधन को मंजूरी

चंडीगढ़। पंजाब मंत्रिमंडल ने गुरुवार को रेत और बजरी की खनन नीति, 2021 में संशोधन की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि इस पहल से रेत और बजरी नीति तर्कसंगत बनेगी। उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी तथा राज्य का राजस्व भी बढ़ेगा। उपभोक्ताओं पर बढ़ा बोझ दूलाई का पडने के कारण विभागा ट्रांसपोर्टों और उपभोक्ताओं को आपस में जोड़ने के लिए मोबाइल एप तैयार करेगा और दूलाई की दरें विभागा द्वारा तय की जाएंगी। इसके अलावा ईट भुञ्जों को छोटकर व्यापारिक ढांचे के प्रोजेक्टों के निर्माण के लिए प्रयोग के लिए साधारण मिट्टी की रॉयल्टी दर 10 रुपए प्रति टन रखी गई है। अन्य फ़ैसले में मंत्रिमंडलने उपभोक्ताओं को राहत देने और राज्य के खजाने के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाने के लिए क्रशर नीति को तर्कसंगत बनाने की सहमति दी। नई नीति के मुताबिक गैर- कानूनी माइनिंग रोकने के लिए क्रशरों की पाँच हेक्टेयर या पाँच हेक्टेयर के गुणांक से माइनिंग साइट अलॉट की जाएगी। इससे राज्य के खजाने में तकरीबन 225 करोड़ रुपए का राजस्व बढ़ाने के लिए क्रशर से निकलने वाले माल पर एक रुपए प्रति वन फुट की दर से पर्यावरण फंड लगाया गया है।

राजस्थान में गुरुवार को कोरोना कै 658 नये मामले सामने आये

जयपुर। राजस्थान में गुरुवार को कोरोना के 658 नये मामले सामने आये और इससे सक्रिय मरीजों की संख्या करीब 4300 पहुंच गई। चिकित्सा विभाग के अनुसार राज्य में पिछले चौबीस घंटों में नये मामलों में 45 की वृद्धि दर्ज की गई। नये मामलों में सर्वाधिक 214 मामले जयपुर में सामने आए जबकि अलवर में 142, उदयपुर में 73, भरतपुर 62, चित्तौड़गढ़ में 39, दौसा में 23, जोधपुर में 20, काठा में 17, सीकर में 16, बूंदी में 11, अजमेर, बांसवाड़ा, झूगरपुर एवं नागौर में सात-सात, धौलपुर एवं झालावाड़ में तीन-तीन, चुरु एवं जैसलमेर में दो-दो तथा बाड़मेर, बीकानेर एवं पाली में एक-एक नया मामला सामने आया। नये मामलों के बाद राज्य में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर अब तक 12 लाख 99 हजार 665 हो गई। प्रदेश में 517 मरीजों के और स्वस्थ होने से अब तक 1 लाख 85 हजार 774 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। नये मामलों के बाद सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 4299 हो गई। इनमें सर्वाधिक 1398 सक्रिय मरीज जयपुर जिले में हैं जबकि अलवर में 641, उदयपुर में 437, जोधपुर में 242, भरतपुर में 203, चित्तौड़गढ़ में 190, अजमेर में 184, दौसा में 171 तथा अन्य कई जिलों में इससे कम सक्रिय मरीज हैं जबकि करौली एवं टोंक दो ही जिले ऐसे हैं जहां कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं है। प्रदेश में अब तक कोरोना से 9592 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में कोरोना जांच के लिए अब तक दो करोड़ दो लाख 86 हजार 74 नमूने लिए गए हैं।

रेवड़ी कल्चर पर फिर बरसा सुप्रीम कोर्ट

अर्थव्यवस्था डूब रही है, मुफ्त सौगातें एक गंभीर मुद्दा

नई दिल्ली |रेवड़ी कल्चर को लेकर चल रही बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर से सख्त सुप्रीमणी की है। कोर्ट का कहना है कि इस कल्चर के चलते अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हो रहा है। अदालत ने गुरुवार को कहा कि चुनावों के दौरान किए जाने वाले मुफ्त सुविधाओं के वादे एक गंभीर मुद्दा है क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा है।

शोध अदालत ने वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर के दौरान ये टिप्पणी की। याचिका में चुनावों के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त का वादा करने वाले राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

भाजपा ने राष्ट्रीय ध्वज का किया राजनीतिकरण: महबूबा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष एवं जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने न केवल राष्ट्रीय ध्वज का राजनीतिकरण किया है बल्कि इस तरह हाईजैक भी कर किया है कि जैसे भारतीयों ने पहले ध्वज का सम्मान नहीं किया।

उन्होंने भाजपा पर राष्ट्रीय ध्वज की प्रतियां को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा , कश्मीर में भाजपा ने लोगों को इसे खरीदने और फहराने के लिए मजबूर करने के लिए सभी प्रकार के उपायों का प्रयोग करके अपना प्रतिष्ठा को और कम किया है।

इससे पहले प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता अलताफ ठाकूर ने कहा कि हर घर तिरंगा को मिली भारी प्रतिक्रिया इस कदम का ज्विष पार्टी सहित भारतीयों द्वारा किये गये संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। भाजपा ने न सिर्फ इसका



गई थी। याचिका में चुनाव घोषणापत्र को विनियमित करने के साथ-साथ उसमें किए गए वादों के लिए राजनीतिक दलों को जवाबदेह ठहराने के लिए कदम उठाने को कहा गया है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने कहा, कोई यह नहीं कह रहा है कि यह मुद्दा नहीं है। यह एक गंभीर मुद्दा है। जिसे मिल रहा है वे चाहते हैं कि

मिलता रहे, हम एक कल्याणकारी राज्य हैं। कुछ लोग कह सकते हैं कि वे टेक्स देते हैं और इसका इस्तेमाल विकास प्रक्रिया के लिए किया जाना चाहिए है। इसलिए यह एक गंभीर मुद्दा है। इसलिए दोनों पक्षों को समिति द्वारा सुना जाना है।

मुख्य न्यायधीश ने यह भी कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां गरीबी मौजूद है और केंद्र सरकार की भी भूखे लोगों का पेट भरने की योजना है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था पैसे खो रही है इसलिए लोगों के कल्याण को संतुलित करना होगा।

गौरतलब है कि प्रधान न्यायाधीश एन वी रमना और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी व न्यायमूर्ति हिमा कोहली की

कन्याकुमारी विवेकानंद रॉक पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम में हिन्द महासागर में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में स्थित पेंगोडे सैन्थी स्टेशन के योद्धाओं ने दक्षिण में कन्याकुमारी विवेकानंद रॉक पर 75 फीट का राष्ट्रीय ध्वज गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के हिस्से के रूप में फहराया। यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस अवसर सैन्थ बेंड ने सारे जहां से अच्छा और परम्परिक कला कलारिपट्ट का प्रदर्शन किया गया। पेंगोडे सैन्थ स्टेशन के स्टेशन कमांडर ने कन्याकुमारी में तिरंगा यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा में सेना के 75 जवान राष्ट्रीय ध्वज धामे हुए 75 किलोमीटर पैदल तिरुवनंतपुरम की ओर जा रहे हैं।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने एसीबी को रद्द किया लोकायुक्त को पुलिस थाने का दर्जा वापस किया

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में 2016 में पिछली सरकार द्वारा गठित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की व्यवस्था समाप्त कर दी और लोकायुक्त को पुलिस थाने का दर्जा वापस कर दिया।

न्यायमूर्ति बी वीरप्पा और

न्यायमूर्ति के एस हेमलेखा की खंडपीट ने एसीबी के गठन को चुनौती देने वाली बेंगलुरु के वकील चिदानंद अरास, अधिवक्ता संघ और समाज परिवर्तन समुदाय द्वारा दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं ने कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा मार्च 2016 में एसीबी के गठन और कर्नाटक लोकायुक्त से भ्रष्टाचार



निवारण अधिनियम की शक्तियों को वापस लेने के लिए जारी अधिसूचना को चुनौती दी थी। लोकायुक्त पुलिस थाने का दर्जा रद्द करने के संबंध में एसीबी के गठन पर सवाल उठाने वाली जनहित याचिका (पीएसईएल) के संबंध में गुरुवार को न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया और उच्च न्यायालय ने एसीबी के गठन के आदेश

आजादी के 70 वर्षों में देश की जनता को संतोष नहीं मिला है :सिंघवी

अजमेर। राजस्थान के पूर्व मंत्री चंद्रशेखर सिंघवी ने कहा है कि आजादी 70 सालों में भी देश की जनता को संतोष नहीं मिला है। यह बहुत ही दुःख परिस्थिति है और इसके पीछे आपसी अविश्वास की बड़ी समस्या है।

सिंघवी ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आजादी के 75वर्षों में भी देश की समस्याएं बढ़ती जा रही है। दुनिया की कोई ताकत भारत से टकराने की हिम्मत नहीं कर सकती। चीन भी भारत से टकर लेने

की स्थिति में नहीं है। विश्व में भारत का नाम पहले भी था और आज भी है, आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि देश में कोई सरकार हो यदि जातिवाद एवं सांप्रदायिक मुक्त होकर वे कार्य करें तो भारत की प्रगति को कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि मुझ जैसे व्यक्ति को पक्षपातपूर्ण आलोचना स्वीकार नहीं है।कश्मीर से धारा 370 हटाने का बड़ा काम हुआ है और मोदी सरकार बहुत से अच्छे काम इस देश में कर रही है। विकास भी हो रहा है।

आमिर की फिल्म ‘लाल सिंह चड्ढा’ का हिन्दू सिख संगठनों ने किया विरोध

जालंधर। बालीवुड अभिनेता आमिर खान की नयी फिल्म लाल सिंह चड्ढा का पंजाब के सिनेमा घरों में रिलीज होते ही विरोध शुरू हो गया है। यहां के एमबीडी माल में गुरुवार को फिल्म के रिलीज होने पर हिंदू और सिख संगठनों ने इसका जमकर विरोध किया। विरोध का कारण वर्ष 2014 में

आई उनकी फिल्म पीके रही। विरोध कर रहे संगठनों ने कहा कि पीके फिल्म के कारण हिंदुओं को भावनाओं को ठेस पहुंची थी। फिल्म में हिंदू धर्म का अपमान किया गया था। इसके बाद हिंदू संगठनों ने आमिर खान बहिष्कार करने को कहा था। लोगों से अपील की गई थी कि जब भी आमिर खान की फिल्म लगेगी, उसका जमकर विरोध किया जाएगा। इसी कारण कारण एमबीडी माल में शिवसेना कार्यकर्ताओं और अलग-अलग हिंदू संगठनों के लोगों

ने आमिर खान की नई फिल्म का जमकर विरोध किया और फिल्म को बंद करवाने की मांग की। मौके पर पहुंचे डीसीपी नरेश डोगरा ने लोगों को शांत करावाकर सभी कार्यकर्ताओं को आश्वासनमिल दिलाकर वहां से वापस भेजा। हिंदू संगठनों और शिवसेना कार्यकर्ताओं का कहना को 15 अगस्त तक का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 15 अगस्त तक आमीर खान और सेसर बोर्ड और पीके फिल्म से जुड़े लोगों पर कार्रवाई न की तो 16 अगस्त को सड़कों पर उतरकर प्रशासन और आमिर खान के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। फिल्म लाल सिंह चड्ढा को लेकर सिख संगठनों की आपत्तियों को बाद लगभग एक सप्ताह पहले अभिनेता आमिर खान जालंधर आए थे। उन्होंने ब्यूरो माल में सिख संगठनों के सदस्यों को फिल्म दिखाकर उनकी शंकाएं दूर करने का प्रयास किया था। फिल्म देखने वालों में एसजीपीसी की पूर्व अध्यक्ष जागीर कौर भी शामिल थीं। सिख संगठन तो शांत हो गए लेकिन आमिर खान के प्रयास के बावजूद जालंधर में शिव सैनिकों और हिंदू नेताओं का गुस्सा शांत नहीं हो पाया। हिंदू संगठनों का कहना है कि आमिर खान ने पीके फिल्म में हिंदू देवी-देवताओं का अपमान किया था। उस वक ही हिंदू संगठनों ने फैसला ले लिया था कि आमिर खान को कोई भी फिल्म सिनेमाघरों में नहीं लगाने देंगे।एमबीडी माल के बहुरा प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने पहले ही सुरक्षा बढ़ा रखी थी और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए एमबीडी माल के बाहर पुलिस फोर्स तैनात कर रखी थी।

अदालत ने बेटे की मौत पर मुआवजा मांगने वाली याचिका खारिज की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने 2004 में अपने बेटे की मौत के मुआवजे और पैसे का मांग करने वाली एक पिता की याचिका को खारिज कर दिया है। याचिकाकर्ता ने सेना पर अपने बेटे की हत्या का आरोप लगाया था।

याचिकाकर्ता (जिसका अब निधन हो चुका है) ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि उसके बेटे बशीर अहमद अहंगर को 19 मार्च, 2004 को अनंतनाग में जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष कार्य बल ने पकड़ा था और उसे सेना के पांच पैरा के सुपुर्द किया था तथा उसे गोली मार दी गयी थी।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि मृतक के शरीर पर यातना देने के

कर्नाटक : प्रेम प्रसंग को लेकर दो समुदायों के बीच झड़प, दो लोगों की मौत; कई घायल

बेंगलुरु। कर्नाटक के कोपल जिले में गुरुवार को अंतर-धार्मिक संबंधों को लेकर दो गुटों में हुए हिंसक झड़प में दो लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। घटना जिले के हुलिहैदर का है, जहां प्रेम प्रसंग को लेकर दो गुट आपस में भीड़

लड़की के वापस आने के बाद बढ़ गया तनाव

कनकगिरी पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने पहचान ने उजागर करने की शर्त पर बताया कि वाल्मीकि लड़का और मुस्लिम लड़की लिव इन में थे और गांव छोड़कर चले गए थे। दोनों ही बालिग हैं। दोनों को वापस लाया गया और उनके परिवारों को सौंप दिया गया था लेकिन, लड़की मानी नहीं और वापस चली आई जिसके बाद तनाव बढ़ गया।

बाइक सवारों की टिप्पणी के बाद बढ़ा विवाद

पुलिस अधिकारी ने कहा कि दोनों परिवारों के बीच गुस्सा पहले था इस बीच एक तरफ के कुछ लोग दूसरे तरफ वालों के घरों के सामने बइसे

जाकर टीका टिप्पणी कर आए जिसके बाद तनाव और बढ़ गया। अधिकारी ने कहा कि मुहर्रम की वजह से गांव में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। गुरुवार को दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और मारपीट हो गई और मामला हिंसक रूप ले लिया। फिलहाल स्थिति ठीक पा लिया गया है। मौके पर एसपी, डिप्टी एसपी और पुलिस फोर्स तैनात है।

बोम्मई ने नेतृत्व परिवर्तन की खबरों को नकारा

एजेंसी। कंग्रेस ने मीडिया रिपोर्टों में नेतृत्व परिवर्तन पर अटकलों पर सवाल उठाये थे , जिसके बाद श्री बोम्मई ने यह टिप्पणी की। कंग्रेस ने कहा था कि ऐसा लग रहा है कि श्री बोम्मई कुर्सी छोड़ने के लिए घंटों की गिनती कर रहे हैं। कंग्रेस ने मुख्यमंत्री से सवाल किया , प्रिय बोम्मई, मुख्यमंत्री पद के लिए तत्पार की लड़ाई शुरू हो गई है। इसका कारण क्या है। क्या यह आपकी प्रशासनिक विफलता है, नेताओं के बीच लड़ाई है अथवा बीएसप वैदियुरप्पा का गुस्सा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नलिना कुमर कटील ने भी हालांकि पहले श्री बोम्मई को अपना कार्यकाल पूरा करने की बात कहकर इसे खारिज कर दिया था।

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने गुरुवार को राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की खबरों को अफवाह और कंग्रेस को राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया। बोम्मई ने संवाददाताओं से कहा , यह पहली बार नहीं है जब कंग्रेस ऐसा कह रही है। उसमे ही अपने भीतर अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें लगता है कि अगर वे लोगों में अस्थिरता फैलाते हैं, तो वे विश्वास नहीं करेंगे। मैं इन चीजों के लिए एक मूक दर्शक हूँ क्योंकि मुझे सच्चाई पता है कि इस तरह के बयान राजनीति से प्रेरित हैं। मेरा फैसला और मजबूत होगा।

बोम्मई ने संवाददाताओं से कहा , यह पहली बार नहीं है जब कंग्रेस ऐसा कह रही है। उसमे ही अपने भीतर अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें लगता है कि अगर वे लोगों में अस्थिरता फैलाते हैं, तो वे विश्वास नहीं करेंगे। मैं इन चीजों के लिए एक मूक दर्शक हूँ क्योंकि मुझे सच्चाई पता है कि इस तरह के बयान राजनीति से प्रेरित हैं। मेरा फैसला और मजबूत होगा।

एचआर एड सीई विभागे से जुड़े

महिलाओं को 1000 रुपये देने का वायदा केजरीवाल ने पूरा नहीं किया : वडिंग

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष एवं अमरिंदर सिंह राजा बडिंग ने गुरारत में 18 साल से अधिक आयु की सभी महिलाओं को 1000 रुपये देने का वायदा करने वाले आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि वह श्री केजरीवाल से गुजरात की महिलाओं को वायदा करने से पहले पूछना चाहते हैं कि क्या पंजाब में पहले यह वायदा पूरा करना उनकी एक नैतिक जिम्मेदारी नहीं है। 13 फरवरी 2020 को दर्शाते हुए अखंड वृत्त समाचार बताया जा रहा है जबकि पुलिस प्रशासन, परिवहन विभागा सहित सभी संबंधित विभागों द्वारा भीयान ने बताया कि सेटेलाइट इमेज 15 फरवरी 2020 को दर्शाते हुए अवैध खनन बताया जा रहा है जबकि पहाड़ के ग्राम मुंगसका, समसलका तथा तहसील कामां के ग्राम बोलखेडा में पूर्व में स्वीकृत रहे खनन पट्टा 138.86 हेक्टेयर पट्टाधारी श्री परशुराम के क्षेत्र में है।

सरकार ने वायदे मुताबिक महिलाओं को अब तक 1000 रुपया देना शुरू नहीं किया है और वह कैसे गुजरात में वायदा कर रहे हैं। गुजरात के लोगों को आप के झूठे वादों पर भरोसा करने से पहले पंजाब में इनकी सच्चाई को जांच लेना चाहिए। उन्होंने एलान किया कि राज्य से पार्टी के नेता गुजरात जाएंगे और आप द्वारा वहां झूठ का प्रचार करने की कोशिशों का भंडाफोड़ करेंगे। उन्होंने गुजरात के लोगों से कहा कि लोग अखबारों में पूरे पूरे के विज्ञापनों उनकी एक नैतिक जिम्मेदारी नहीं है। उन्हें मीडिया के माध्यम से पता चलना है कि आप संयोजक गुजरात में उसी तर्ज पर 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को वायदा कर रहे हैं, जिस प्रकार उन्होंने पंजाब की महिलाओं को किया था कि यदि आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है कि वह वहां प्रत्येक महिला को 1,000 रुपये देंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब में उनकी

शार्ट न्यूज

बच्चों ने फायर फाइटर को राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाया

नई दिल्ली। श्री राम वंडर इयर्स, रोहिणी स्कूल की छोटी-छोटी बालिकाओं ने फायर स्टेशन में दमकल कर्मियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाया और उन्हें मिठाई खिलाई। अपनी जान की परवाह किये बिना आग से दूसरों की जान बचाने इन दमकल कर्मियों ने उसी स्नेह और प्यार से राखी बांधवाई। दमकल कर्मी इन बच्चों से राखी बांधवाते समय अपने आंसू नहीं रोक सके क्योंकि उनके प्यारे भाव को देखकर उनकी आंखें नम हो गईं। इसके साथ ही, रक्षा बंधन के उत्सव के बीच, छात्रों ने स्टॉप द वॉर पुतिन एंड जैलेट्स्की संदेश देकर यूक्रेन- रूस के बीच युद्ध को समाप्त करने की अपील की। श्री राम वंडर इयर्स की प्रमुख शुभी सोनी ने कहा, रक्षा बंधन पूरे भारत में मनाया जाने वाला एक पवन पर्व है। यह भाई-बहनों के बीच एक मधुर प्यार और स्नेह का बंधन। हमारे बच्चों ने अग्निशाकों को राखी बांधकर उनके आत्म-बलिदान स्वभाव के प्रति श्रद्धा दिखाई है। अग्निशाक मानवता के रक्षक हैं और उनके प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए।

कैपारो मारुति लिश्व और कैपारो इंजीनियरिंग इंडिया लिश्व की निदेशक बनी ऋचा जैन कालरा

नई दिल्ली। अच्छी खबर की सीईओ सुश्री ऋचा जैन कालरा को कैपारो मारुति लिमिटेड और कैपारो इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। ऋचा जैन कालरा की लोकप्रिय टेलीविजन समाचार अच्छी खबर में एंकर के तौर पर काफी प्रतिष्ठा है। ऋचा जैन कालरा 20 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ भारतीय टेलीविजन और डिजिटल समाचार उद्योग में सबसे विश्वसनीय चेहरों में से एक हैं। वह एक मीडिया उद्यमी हैं जो अब सकारात्मक समाचार पहले, अच्छी खबर का नेतृत्व कर रही हैं। एक कुशल संपादक और लेखक होने के अलावा, वह एक प्रमाणित स्वतंत्र निदेशक भी हैं और देश में पत्रकारिता और संचार पृष्ठभूमि से बहुत कम महिला स्वतंत्र निदेशकों में से एक हैं।

कृष्णा नगर विधान सभा में डॉ अनिल गोयल जी ने मनाया रक्षाबंधन का भाई बहन मिलन कार्यक्रम



नई दिल्ली। कृष्णा नगर विधान सभा में रक्षाबंधन के अवसर पर डॉ अनिल गोयल जी के यहाँ भाई बहन मिलन कार्यक्रम का आयोजन हुआ भाई बहन मिलन कार्यक्रम में कृष्णा नगर की बहनों ने डॉ अनिल गोयल एवं टीम को उज्वल भविष्य व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की इस अवसर पर डॉ अनिल गोयल जी ने कहा को आज का दिन भाग्यों के लिए एक संकल्प दिवस है जिसमे बहनों के स्वास्थ्य, सामाजिक, आर्थिक रक्षा का भाई वचन देते हैं। माँ भारती की रहने बहन माँ भी है बहन बेटी भी है। इसलिए आज हम लोग माँ भारती के स्वाभिमान, आत्मनिर्भरता व रक्षा का भी प्रण लेते है हम सब लोग मिलकर यहाँ सामाजिक परिवार और एक बड़ा माँ भारती परिवार के लिए उज्वल भविष्य की कामना करते है इस अवसर पर महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती रमा चावला जी, श्रीमती सीमा शर्मा जी, श्रीमती रोजी टंडन जी, विधान सभा वृक्ष संयोजक श्री अनिल अरोड़ा जी, मंडल प्रभारी श्रीमती कल्पना जैन जी, महा मंत्री श्री हितेश गिरी जी, महामंत्री श्री राजेश चड्ढा जी उपस्थित रहे।

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ा, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। प्रशासन की ओर से आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को वहाँ से हटने और सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए घोषणा की जा रही है। बोट क्लब प्रभारी हरीश कुमार ने गुरुवार को बताया कि जलस्तर चेतवनी स्तर के करीब पहुँच गया है। हमने लोगों को सावधान करने के लिए कहा है और नदी के उस पार नावें, मोटरबोट लगाई हैं। यमुना में जलस्तर बढ़ने से विस्थापित हुए लोगों के रहने और खाने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं।

ग्रेटर नोएडा में नाले की सफाई के दौरान दीवार गिरी, 2 मजदूरों की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के चाई सेक्टर के पास सूखे नाले की सफाई के दौरान दीवार गिरने से दो मजदूरों की मलबे में दबकर मौत हो गई और एक मजदूर घायल हो गया। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर घटना की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्रेटर नोएडा में सीवर साफ करते समय दीवार गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि मजदूरों के ऊपर गिरी दीवार काफी जर्जर हालत में थी। मृतक मजदूरों की पहचान दिलशाद और रैहान के रूप में हुई है। वहीं, इस हादसे के पीछे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की लापरवाही को जिम्मेदार बताया जा रहा है। हादसे की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले का सज्ञान लिया और मजदूरों की मौत पर दुःख जताया है। अपर पुलिस उपपुचक (जोन तृतीय) विशाल पांडे ने न्यूज एजेंसी भाषा को बताया कि बाटा-2 थाना क्षेत्र के चाई-फाई सेक्टर में तीन मजदूर दिलशाद, रैहान और शाहिद सफाई करने के लिए नाले में उतरे थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान नाले की दीवार गिर गई जिससे तीनों मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि तीनों मजदूरों को अस्पताल ले जाया गया, जहाँ दिलशाद और रैहान की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली में मास्क लगाना फिर अनिवार्य, जुर्माना भी किया गया तय; कार वालों को राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के बढ़ते केंसों को देखते हुए सार्वजनिक स्थानों पर एक बार फिर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। यदि आपक इस नियम का उल्लंघन करते हुए पाए गए तो 500 रुपये जुर्माना वसूल किया जाएगा। हालांकि, कार में सफर के दौरान हट्टू मिलेगी। निजी चार पहिया वाहनों में सफर के दौरान मास्क नहीं पहनने पर भी जुर्माना वसूल नहीं किया जाएगा। यह फैसला सरकार को इसलिए करना पड़ा है, क्योंकि पिछले कुछ दिनों में राजधानी में कोरोना के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। ना सिर्फ कोरोना मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है, बल्कि मौतें भी अधिक हो रही हैं। अगस्त के पहले 10 दिनों में 40 लोगों की मौत हुई है, जबकि जुलाई के आखिरी 10 दिन में कोरोना वायरस ने 14 लोगों की जान ली थी, यानी महामारी के कारण मौत होने के मामले में करीब तिगुनी वृद्धि हुई है। दिल्ली में 1 अगस्त को 3, 3 अगस्त को 5, 4 अगस्त को 4, 5 अगस्त को 2, 6 अगस्त को एक, 7 अगस्त को 2, 8 अगस्त को 6, 9 अगस्त को 7 और 10 अगस्त को 8 मौतें दर्ज की गईं। 10 अगस्त को हुई मौतें पिछले 180 दिन में सर्वाधिक हैं। दिल्ली में कोविड के कारण 26,351 लोगों की जान जा चुकी है। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले एक हफ्ते में संक्रमण के मामले बढ़े हैं। संक्रमण के कारण होने वाली मौतें भी बढ़ रही हैं। हालांकि विशेषज्ञों और अधिकारियों का कहना है कि संक्रमण के कारण उन्हीं लोगों की जान जा रही है जो पहले से किसी बीमारी से पीड़ित हैं या जिन्हें कैसर, टीबी या कोई अन्य गंभीर बीमारी है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि मौतों के अधिकतर मामलों में मरीज संयोग से कोविड से पीड़ित था, क्योंकि उनका अन्य बीमारियों का इलाज पहले से ही चल रहा था।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

नांगल चौधरी। आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान राजकीय न्यू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक सहित विभिन्न कार्यक्रम में बुधवार को छात्राओं द्वारा भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार व राज्य सरकार शिक्षा विभाग के दिशा निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जागरूक रैली निकाली गयी। विद्यालय के प्राचार्य विक्रम सिंह रोहिल्ला की अध्यक्षता में आयोजित यह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वरूप थाना प्रभारी रामनाथ एवं विशिष्ट अतिथि



स्वरूप पहुंची नगरपालिका चेरपरसन प्रिया सेनी ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत छात्राओं द्वारा पैदल मार्च जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाई गई। इस ऐतिहासिक अभियान की जागरूक रैली में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की 340 छात्राओं सहित शिक्षक वर्ग ने भाग लिया। यह जागरूक रैली सुबह नौ बजे से



समीप, टेलीफोन एक्सचेंज मार्ग से गुजरते हुए पुनः विद्यालय पहुंची। छात्राओं द्वारा सड़क मार्ग से निकाली गई जागरूकता रैली में यातायात सड़क सुरक्षा नियमों को मद्देनजर रखते हुए विद्यालय के अध्यापक भी रैली में अपने दायित्व का निर्वाहन किया। छात्राओं की करीबी मीटर से अधिक लंबी कतार पंक्तिबद्ध व्यवस्था

ने करीब चार किलोमीटर दूरी का पैदल मार्च किया। साथ ही भारत माता की जय और वंदे मातरम सहित अन्य राष्ट्रीय स्लोगन के साथ छात्राओं व शिक्षकों ने जागरूक रैली में ऊर्जा का संचार करते हुए और गली-मोहल्ले की सड़कों से गुजरते हुए नगरपालिका वार्ड दस, ग्यारह, बारह, आठ के नगर निवासियों को जागरूक किया साथ ही छात्राओं के उद्घोष नारे से नगर निवासियों के अंतर्गत में राष्ट्रीय भावना को जागृत किया गया। इस जागरूकता रैली में छात्राओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लिए उत्कृष्ट स्लोगन के माध्यम से सभी स्थानीय वासियों को हर घर तिरंगा फहराने का संदेश दिया गया।

जैन आचार्य लोकाेशजी ने वियतनाम दूतावास के नए भवन के शुभारंभ पर भगवान महावीर वाणी का संगान किया

आचार्यश्री, महंत सुरेद्रनाथजी, ग्रंथी जोगिंदर सिंहजी ने धार्मिक मंत्रोच्चारण किया

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली में वियतनाम दूतावास के नए भवन के शुभारंभ समारोह के अवसर पर जैन आचार्य डॉ. लोकाेशजी, हिन्दू धर्म से कालका मंदिर के महंत सुरेद्र नाथ अवधूतजी, सिक्ख धर्म से ग्रंथी जोगिंदर सिंहजी सहित धर्मगुरु, प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी, शिक्षाविद, साहित्यकार, पत्रकार, उद्योगपति आदि गणमान्य महानुभावों ने हिस्सा लिया। विश्व शांतिदूत प्रख्यात जैनचार्य डॉ लोकाेशजी ने वियतनाम दूतावास के नए भवन हेतु राजदूत फान सान चाउ को शुभकामनाएँ देते हुए जैन धर्म के नवकार महामंत्र, मंगलपाठ एवं भगवान महावीर वाणी का संगान किया।



इस अवसर पर, आचार्यश्री ने कहा कि यह वर्ष भारत-वियतनाम राजनयिक संबंधों की स्वर्ण जसेती वर्ष है और इस अवसर पर वियतनाम के नए भवन की शुरुआत होनी काफी हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि हमें विगतनाम दूतावास के नए भवन के शुभारंभ के अवसर पर राजदूत को शुभकामनाएँ देते हुए आशा व्यक्त की कि भारत-वियतनाम की मैत्री सम्पूर्ण विश्व के लिए कल्याण कारी साबित होगी। दिल्ली लाजपत गुरुद्वारा के ग्रंथी

पिटबुल कुत्ते ने महिला पर किया जानलेवा हमला, डॉंग के मालिक के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली। हरियाणा के गुरुग्राम में महिला को घायल करने के बाद पिटबुल कुत्ते के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि गुरुग्राम के दिविल लाइन इलाके में गुरुवार को ड्यूटी पर जा रही एक महिला पर पिटबुल डॉंग ने हमला कर दिया था। महिला की आवाज सुनकर आसपास के लोग उसे बचाने दौड़े। लेकिन तबतक महिला को पिटबुल कुत्ते ने लातूहात कर दिया था। पिटबुल ने महिला से सिर में गंभीर घाव कर दिए। महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरुग्राम पुलिस के पीआरओ। सुभाष बोकन ने कहा, सिविल लाईंस क्षेत्र में कुत्ते के एक महिला पर हमला करने और घायल करने के बाद पिटबुल कुत्ते के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आईपीसी की धारा 289, 338 के तहत मामला दर्ज किया गया है। महिला गंभीर रूप से घायल है, उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, घायल हुई महिला ने कहा, मैं सड़क पर थी जब मैं सुबह करीब 7 बजे काम पर जा रहा थी कि कुत्ते दौड़े हुए आए। बारिश हो रही थी और मैं फिसल गई।

रक्षाबंधन पर्व पर जन्मी राखी का मनाया जन्मदिन



कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

नांगल चौधरी। राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय की मेधावी छात्रा राखी शर्मा का जन्म रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मनाया गया। उनके पिता लैब टेक्निशियन संदेश शर्मा ने बताया कि, राखी प्रारंभिक पढ़ाई से सभी कक्षाओं में अव्वल रही है। विद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हो चाहे सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी प्रतिस्पर्धा में निपुण होते हुए प्रथम स्थान हासिल करती हैं। बता दें कि, हाल ही में गत दिवसीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भारत विकास परिषद एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में राखी द्वारा निबंध प्रतियोगिता सहित सड़क सुरक्षा नियमों को मद्देनजर रखते हुए और

महिलाओं के अधिकार के प्रति राखी ने अपने संबोधन से सभी छोटी कक्षाओं को छात्राओं को प्रेरित करते हुए कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि बाल सुरक्षा अधिकारी सीडीपीओ स्टॉफ और भा.वि.परिषद अध्यक्ष जाधेव शर्मा, अंजली शर्मा सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों को अपने संगीत गायन कला एवं भाषण से प्रभावित किया था। इस सराहनीय प्रस्तुति के लिए राखी को विद्यालय के प्राचार्य विक्रम सिंह रोहिल्ला समेत कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथियों द्वारा श्रेष्ठ पुरस्कार और विद्यालय स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया था। मेधावी छात्रा राखी शर्मा विज्ञान संकाय की बारहवीं को छात्रा हैं। विद्यालय के प्राचार्य विक्रम सिंह एवं समस्त स्कूल स्टाफ सहित गणमान्य स्वजनों ने राखी के जन्मदिन उपलक्ष्य उनके उज्वल भविष्य को उन्हें हेरों शुभकामनाएँ दी।

नोएडा में 28 अगस्त को गिराए जाएंगे सुपरटेक के टिवन टावर

नोएडा। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) ने एडॉफिस इंजीनियरिंग को नोएडा के सेक्टर-93ए स्थित सुपरटेक के दोनों टावर (एपेक्स-फियान) को ध्वस्त करने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद नोएडा प्राधिकरण ने दावा किया है कि दोनों टावरों को 28 अगस्त को गिराया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में आज यानी गुरुवार को इस मामले में स्टेट्स रिपोर्ट पेश की जाएगी। इस पर सुनवाई के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। नोएडा प्राधिकरण में बुधवार को एडॉफिस इंजीनियरिंग, सुपरटेक प्रबंधन और सीबीआरआई के प्रतिनिधियों की बैठक हुई।

जयतु भारतम् के माध्यम से दिल्ली में होगा आजादी का अमृत महोत्सव

दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी द्वारा नृत्यांगना गीता चन्द्रन संग सांस्कृतिक कार्यक्रम 13 अगस्त को

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री के हर घर तिरंगा राष्ट्रीय अभियान का जश्न मनाने के लिए दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के 'चेयरमैन-फियान' को ध्वस्त करने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद नोएडा प्राधिकरण ने दावा किया है कि दोनों टावरों को 28 अगस्त को गिराया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में आज यानी गुरुवार को इस मामले में स्टेट्स रिपोर्ट पेश की जाएगी। इस पर सुनवाई के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। नोएडा प्राधिकरण में बुधवार को एडॉफिस इंजीनियरिंग, सुपरटेक प्रबंधन और सीबीआरआई के प्रतिनिधियों की बैठक हुई।

गीता चन्द्रन के साथ उनके नाट्य वृक्ष डॉस कलैक्टिव में गायत्री सुरेश, मधुरा भूशुंडी, श्रुता गोपालन, कावेरी मेहता, अदिति बालासुब्रमण्यम, सौम्या लक्ष्मी नारायणन, अनंदिता नारायणन और युशिका बैद भरतनाट्यम की ताल पर 'जयतु भारतम्' का भाव प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर श्री अर्जुन राम मेघवल केन्द्रीय राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार वतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहेंगे और दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के महानिदेशक डॉ. आर.के. शर्मा कार्यक्रम के समन्वयक होंगे। इस कार्यक्रम के लिए एनटी प्रवेश शुल्क नहीं है और सभी कला प्रेमी एवं अन्य आमंत्रित हैं। जयतु भारतम् की संकल्पना भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उत्सव

के रूप में की गई है। यह अपनी दार्शनिक नींव को बहाल करने के लिए लोगों द्वारा किए गए गहरे संघर्षों की पड़ताल करता है और 'भारत' के विचार को समानता, सहिष्णुता और बहुलता की भूमि के रूप में मनाता है। 'जयतु भारतम्' देश की स्वाधीनता के गौरव का गुणगान करती एक विनम्र श्रद्धांजलि है, जिसे गीता चन्द्रन और उनके नाट्य वृक्ष डॉस कलेक्टिव द्वारा मन-मोहक भरतनाट्यम के माध्यम से प्रस्तुत किया जायेगा। अपनी तरह के इस विशिष्ट कार्यक्रम की शुरुआत 'जयतु भारतम्' से होगी, जिसमें देश को भारत माता के रूप में हृदयार्कित किया जायेगा, जिसमें साध्य और समानता को सर्वोपरि माना गया है और साथ विश्व शांति की ओर निरहता

है। शाम को दूसरी प्रस्तुति विविधता में भारत की अतुल्य विविधता जिसमें जाति, भाषा, वेश भूषा और महान परंपराओं को दर्शाया जायेगा। इसके बाद उत्सव में भारत में त्योहारों और उत्सवों को अमूर्त परंपराओं को वृंदावन के कृष्ण गोपी रास के माध्यम से अभिव्यक्त किया जायेगा। अगली प्रस्तुति फ्रीडम में स्वाधीनता तथा भारत में इसकी महत्ता और गौरव को सुंदर अंदाज में दर्शाया जायेगा। जयतु भारतम् की अंतिम प्रस्तुति में, गीता चंद्रन ने अहिंसा के साथ बुने दमन, विद्रोह, हिंसा के प्रतिशोध के विचारों में से कुछ को दर्शाएंगी। इस प्रस्तुति के लिए सोल्फा सिलेब्ल्स और रिच का उपयोग करके जीवंत किया जायेगा।

फ्री सुविधाओं को लेकर सीएम केजरीवाल का केंद्र पर निशाना

फ्री सुविधा बंद करने की कोशिश हो रही है, वया सरकार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है?

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आठवां वेतन आयोग बनने वाला था, लेकिन अब कह रहे हैं कि अग्निवीर लेकर आए हैं। यह देश के इतिहास में पहली बार है कि केंद्र ने उनकी अग्निपथ योजना को सही ठहराते हुए कहा कि वे ऐसा कर रहे हैं इसलिए उन्हें अब राक्षा कर्मियों को पेंशन का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। आठवां वेतन आयोग बनने वाला था, लेकिन अब कह रहे हैं कि अब हम आठवां वेतन नहीं बनाएंगे, क्योंकि हमारे पास पैसा नहीं है। केंद्र ने बार-बार दोहराया है कि उनके पास पैसा नहीं है, राज्य को दिया गया पैसा कम कर दिया है। टैक्स कलेक्शन 2014

की तुलना में बहुत अधिक हुआ है, लेकिन उनके पास पैसा नहीं है, पैसा कहा जा रहा है? सरकारी पैसे से अपने दोस्तों का कर्ज माफ कर रहे। दिल्ली के सीएम ने कहा कि, पिछले 75 वर्षों में कभी भी सरकार ने बुनियादी खाद्यान्न पर टैक्स नहीं लगाया. पेट्रोल और डीजल पर टैक्स 1000 करोड़ डॉ. अधिक है। वे अब कह रहे हैं कि सरकार की सभी मुफ्त चीजें खत्म होनी चाहिए, सरकारी स्कूलों, अस्पतालों में फ्रीस ली जानी चाहिए. फ्री राशन बंद करने की बात कह रहे हैं. केंद्र का सारा पैसा कहा गया? वे इस सरकारी पैसे से अपने दोस्तों का कर्ज माफ कर रहे हैं. उन्होंने अपने अरबपति दोस्तों के टैक्स भी माफ कर दिए हैं.

गामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंचा

वता दें कि, मुफ्त सुविधाओं का मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा है. बुधवार को शीर्ष अदालत एक याचिका पर सुनवाई की थी जिसमें सार्वजनिक धन से तर्कहीन मुफ्त उपहार बांटने का वादा करने वाले राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करने और चुनाव चिन्हों को जब्त करने का निर्देश देने की मांग की गई थी. कोर्ट ने कहा, ये एक गंभीर मुद्दा है. जो लोग विरोध कर रहे हैं, उन्हें यह कहने का अधिकार है कि वे टैक्स का भुगतान कर रहे हैं. राशि को बुनियादी ढांचे आदि के लिए खर्च करना है, न कि पैसे बांटने पर

वता दें कि, मुफ्त सुविधाओं का मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा है. बुधवार को शीर्ष अदालत एक याचिका पर सुनवाई की थी जिसमें सार्वजनिक धन से तर्कहीन मुफ्त उपहार बांटने का वादा करने वाले राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करने और चुनाव चिन्हों को जब्त करने का निर्देश देने की मांग की गई थी. कोर्ट ने कहा, ये एक गंभीर मुद्दा है. जो लोग विरोध कर रहे हैं, उन्हें यह कहने का अधिकार है कि वे टैक्स का भुगतान कर रहे हैं. राशि को बुनियादी ढांचे आदि के लिए खर्च करना है, न कि पैसे बांटने पर

गुरुग्राम क्लब विवाद: महिला से दुर्व्यवहार और दोस्तों से मारपीट करने के आरोप में 7 गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम के एक क्लब के छह बाउंसरों और मैनैजर समेत कुल सात कर्मचारियों को वहां आए लोगों के एक समूह से मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि पीड़ित लोगों में से एक ने क्लब के दरवाजे पर खड़े एक कर्मचारी पर उनकी महिला मित्र को अनुचित तरीके से छूने पर आपत्ति जताई थी। इस घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया था। पुलिस ने बताया कि उद्योग विहार स्थित क्लब के दो प्रबंधकों और आठ बाउंसर (सुरक्षा कर्मी) समेत दस लोगों पर घटना के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। यह घटना सोमवार को देर रात करीब दो बजे की

है। पुलिस कमिश्नर कला रामचंद्रन ने बताया कि इनमें से छह बाउंसर समेत सात को बुधवार रात को पकड़ा गया। उनकी पहचान सोनू, मनदीप, सुमित, नितिन, राम सिंह और राकेश तथा क्लब के मैनेजर लोकाेश के रूप में की गई है। जिन लोगों से मारपीट की गई है, उनमें एक बहुराष्ट्रीय शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब हम सबने मैनैजर भी शामिल है। एक पीड़ित ने शिकायत में कहा कि वह अपने तीन दोस्तों के साथ कैसा डेंजा क्लब गया था। उसे क्लब के प्रवेश द्वार पर कुछ अन्य मित्र मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि एक बाउंसर ने प्रवेश द्वार पर खड़े होने के दौरान उनकी मित्र के साथ दुर्व्यवहार

किया और उसे अनुचित तरीके से छूआ। उन्होंने कहा कि जब महिला मित्र ने इस पर आपत्ति जताई तो अन्य बाउंसर और मैनेजर वहां एकत्रित हो गए तथा उन्होंने उससे गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब हम सबने विरोध किया तो आठ बाउंसरों ने हमें प्रवेश द्वार से धक्का दिया, सड़क पर ले गए और हमसे मारपीट की। हम हमले में घायल हो गए। क्लब के मैनेजरों ने हमे हमको दी कि अगर हम दोबारा क्लब में आए तो हमें मार देंगे। इस बीच, क्लब के पास से गुजर रहे एक व्यक्ति ने हमले का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो गया।

दिल्ली में कोरोना का कहर फिर बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में अगस्त महीने के शुरुआती 10 दिनों में ही कोरोना वायरस संक्रमण के 19,760 मामले आ गए हैं। इसके अलावा कटेनमेंट जोन की संख्या में करीब 50 फीसदी का इजाफा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में यह जानकारी मिली है। दिल्ली में एक अगस्त को कोविड के 822 मामले दर्ज किए गए थे तथा संक्रमण दर 11.41 फीसदी थी, जबकि दो लोगों की मौत हुई थी। वहीं, दो अगस्त को दैनिक मामले 1506 आए थे और तीन संक्रमितों की मौत की पुष्टि हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमण दर 10.63 फीसदी थी। इसके बाद तीन अगस्त को मामलों की संख्या दो हजार के पार चली गई थी और तब से आठ अगस्त को छोड़कर रोजाना दो हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं और संक्रमण दर भी 20 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है। संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या में पहले की तुलना में काफी बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में बुधवार को कोविड के 2146 मामले मिले थे, जो 180 दिन में सर्वाधिक थे तथा संक्रमण दर 17.83 फीसदी थी और आठ संक्रमितों की मौत हुई थी। राजधानी में 13 फरवरी

को संक्रमण के कारण 12 लोगों की मौत हुई थी। नौ अगस्त को दिल्ली में 2495 मामले मिले और संक्रमण दर 15.41 फीसदी थी तथा सात लोगों की जान गई थी। वहीं आठ अगस्त को 1372 मामले मिले थे, छह संक्रमितों की जान ली थी और संक्रमण दर 17.85 फीसदी थी जो 21 जनवरी के बाद सर्वाधिक थी। 21 जनवरी को संक्रमण दर 18.04 थी। दिल्ली में बुधवार तक कोविड-19 के एक्टिव मरीजों की संख्या 8,205 है, जबकि एक अगस्त को 4274 लोग अपना इलाज करा रहे थे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में कोविड के कारण एक से 10 अगस्त के बीच 40 लोगों की मौत हुई है, जबकि जुलाई के आखिरी 10 दिन में कोरोना वायरस ने 14 लोगों की जान ली थी, यानी महामारी के कारण मौत होने के मामले में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। कटेनमेंट जोन को संख्या एक अगस्त 173 थी जो 10 अगस्त को बढ़कर 259 हो गई है। 10 अगस्त को 5549 मरीज होम आइसोलेशन में थे, जबकि एक अगस्त को इनकी संख्या 3161 थी। दिल्ली में बुधवार को जारी बुलेटिन के मुताबिक, कुल मामले 19,75,540 पहुंच गए हैं जबकि मृतक संख्या 26,351 हो गई है।

संपादकीय

आजादी का जशन और बेरोजगारी से बिगड़ते हालात

सरकार बेरोजगारी दूर करने की दिशा में कितने भी आंकड़े पेश करे लेकिन रोजगार जुटाने की तो बात ही छोड़ दीजिए सरकार पहले से उपलब्ध रोजगार को यथावत रखने में भी नाकाम रही है। सीएमईआई के आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई महीने में भारत में बेरोजगारी दर 6.9 फीसदी थी। यह खुद में बहुत शर्मसार करने वाले हालात हैं। देश में रोजगार की हालत को सरकारी नजरिए से मानने वाली सीएमआईई के अनुसार इस दौरान हरियाणा पहले नंबर पर, जम्मू कश्मीर दूसरे नंबर पर और राजस्थान तीसरे नंबर पर रहा। आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा में सबसे बेरोजगारी दर सबसे अधिक, 26.9 प्रतिशत थी. जून में यह 30.6 प्रतिशत और मई में 24.6 प्रतिशत थी. जम्मू-कश्मीर दूसरे नंबर पर रहा. यहां बेरोजगारी दर 20.2 प्रतिशत रही. यह जून में 17.2 प्रतिशत पर थी. राजस्थान 19,1 प्रतिशत और बिहार 18.8 प्रतिशत तीसरे और चौथे स्थान पर रहे। उत्तर प्रदेश में जुलाई में बेरोजगारी दर में बढ़त देखी गई. जुलाई में 3.3 प्रतिशत रही, जोकि जून में 2.8 प्रतिशत थी।ओडिशा में, सबसे कम 0.9 प्रतिशत रही. मेघालय में बेरोजगारी की दर 1.5३ थी. जुलाई में आम आदमी पार्टी की सरकार वाले, पंजाब में बेरोजगारी दर की 7.7३ थी, और दिल्ली में 8.9 प्रतिशत रही। सरकार एक ओर देश की रक्षा के लिए फौज में भर्ती होने के लिए तैयारी कर रहे अपनी जान नवाई।2020से 2022 के बीच भी हालात बद से बदतर की ओर जा रहे हैं हाल ही में मानसून सत्र के दौरान संसद में दिए लिखित बयान में मोदी सरकार ने बताया है कि पिछले 8 सालों में 22 करोड़ युवाओं ने केंद्रीय विभागों में नौकरी के लिए आवेदन दिया जिसमें से मात्र 7 लाख को रोजगार मिल सका है, जबकि भारत सरकार के पास 1 करोड़ स्वीकृत पद खाली हैं लेकिन ऐसा नहीं है कि सरकारी नौकरियों में ही पद खाली हैं. प्राइवेट सेक्टर का हाल भी बुरा है। स्टार्ट अप और यूनिकोर्न कंपनियों का भी हाल एक जैसा ही है। पहले नौबंदी और इसके बाद कोरोना की मार ने प्राइवेट सेक्टर में भी हालात बिगाड़ दी है। इससे करोड़ों लोगों के कामधंधो पर अत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से मार पड़ी है। बहुते सारे उद्योग धंधे चोपट हो चुके हैं जबकि कुछ सिसक रहे हैं। देश में हर छठ युवा बेरोजगार है।

मानसून सत्र के दौरान इस जबाव से सरकार की बेरोजगारी हटाने की नीयत और कथनी व कर्तनी के फर्क को भी समझा जा सकता है। दरअसल सरकारी परिभाषा के मुताबिक, अगर सात दिनों में एक घंटा भी कोई नौकरी या दिहाड़ी मजदूरी करता है - तो माना जाता है कि वो बेरोजगार नहीं है। रोजगार की ये परिभाषा अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की है, जिसे दुनिया के बाक़ी देश भी मानते हैं ताकि बेरोजगारी के आंकड़ों की तुलना की जा सके। भारत के बेरोजगारी के आंकड़े सीएमआईई राज्यवार हर महीने जारी करते हैं। उनके मुताबिक, जिस दिन वो सर्वे करते हैं, अगर उस दिन अगर कोई व्यक्ति नौकरी ढूँढ रहा है तो वो बेरोजगार है। यानि यदि कोई व्यक्ति पूरे महीने बेरोजगार रहा हो लेकिन सर्वेक्षण वाले दिन चाहे अल्पकालिक काम पर लगा हो तो भी वह बेरोजगार नहीं माना जाएगा। अब आम समझ सकते हैं कि सरकारी संस्था किस प्रकार गैर वास्तविक आंकड़े जुटाती है और छाती टोक कर इन आंकड़ों के आधार पर सरकार बयान बाजी कर रोजगार बढ़ाने और बेरोजगारी दूर करने का दावा करती हैं। एक ओर सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले 8 सालों में भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश दुोगना बढ़ा है। ऐसे में सवाल उठता है कि विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है तो बेरोजगारी दर कम होने के बजाए लगातार बढ़ क्यों रही है ? सीएमआईई के मैनेजिंग डायरेक्टर महेश स्वयंकर के अनुसार भारत में जो निवेश विदेश से आ रहा है वो सारा इन्वेस्टमेंट उस सेक्टर में है जहाँ लेबर कम लगाता है।

स्वाधीनता के बाद हम क्या वास्तव में स्वतंत्र हुए हैं

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2022 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग बंद पड़ना समाप्त हो जाए, पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया हैइ वरतमान में भारत की सामाजिक आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के समर्पणोण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहार्द को आवश्यकता है जब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रयास हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरुआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पथर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 131 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहार्द का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे प्रमाने हैं। पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं, पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमोल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पायाइ वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारी प्रामाण विकास को लाभिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेंगे, हमारा लोकातांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाएइ संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना को अनुरूप पूर्ण रूप नहीं ले पायाइ हमें नवीन भारत की संकल्पना के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन प्रयास को बहुत सशक्त एवं दमदार बनाना होगाइ केवल गरीबों को मुफ्त में अनाज देकर उनकी गरीबी दूर नहीं की जा सकती हैइ गरीबों को अनाज देने के साथ-साथ उनके हाथों को काम और आजीविका के साधन भी देने होंगे, तब जाकर देश की स्थिति सुबर सकती है। हमें गरीबी के अनेक स्वरूपों को जड़ से खत्म करना होगा। इसके लिए हमें पिछड़ी जाति, दलित, दिव्यांग, महिलाएं, गरीब बच्चे के लिए सर्वाधिक योजनाओं को महत्व देकर निशुल्क शिक्षा, रोजगार गारंटी तथा कोचल विकास तथा पारदर्शी स्वास्थ्य योजनाओं को हर पंचवर्षीय योजना में लागू किया जाना होगा, पर अब हर वर्ष नई नई योजनाएं बनाकर उस पर प्रभावी क्रियान्वयन कर गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर सफल बनाना होगाइ यह सर्वविदित है कि सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही नवीन भारत का मार्ग प्रस्तुत हो सकता हैइ भारतीय समाज में जातिवाद एक बड़े नासूर की तरह हम सबसे समक्ष खड़ा हैइ जात पात को खत्म करने के लिए स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात कई महान पुरुषों ने अपना जीवन लगा दिया था, जिनमें प्रमुख ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम उल्लेखनीय हैइ इनके समुचित प्रयास के बाद भी जातिवाद को आज भी भारत में खत्म नहीं किया जा सका है, बल्कि यह बड़े रूप में सामने आए हैं एवं राजनीतिक समीकरण के कारण यह और उभर कर सामने आया है।

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

नीतीश और बीजेपी के बीच अलगाव का एक बड़ा फैक्टर महाराष्ट्र का सियासी उलटफेर भी है। जिस तरह से शिंदे कैंप के जरिये शिवसेना में सेंधमारी हुई। उसने नीतीश को चौकन्ना कर दिया। फिर आरसीपी और चिराग मॉडल की बात सामने आने लगी। एक ही तौर पर कैसे रूकूं में, आज लहरों में निमंत्रण है। हरिवंश राय बच्चन की इस काव्य रचना को 1974 में जब जेपी ने पटना के गांधी मैदान से दोहराया था तो इसके अक्षरों ने दिल्ली के तख्त पर बैठे हुक्मरानों को भी सिंहासन खाली करने पर मजबूर कर दिया था। एक नाम किसी किरदार में तब्दील हो जाता है तो फिर कहानी बन जाती है। कुछ कहानी कुछ सेकेंड जीती है तो कुछ मिन्नत, कुछ कहानी कुछदिन याद रहती है तो कुछ वर्षों। ऐसी ही एक कहानी बिहार से निकल कर सामने आई है। बिहार में एक बार फिर खेला हो गया। बिहार की राजनीति में अंततःत्मा की आवाज पर सत्ता ने फिर से शरीर बदल लिया है। घड़ी सब के घर में होती है। जिस चाल से घड़ी चलती है उसे क्लॉकवाइज कहते हैं। कहा जा सकता है कि बिहार में नीतीश कुमार के पास ऐसी घड़ी है जो क्लॉकवाइज और एंटीक्लॉकवाइज दोनों दिशा में घूमती है। नीतीश ने बीजेपी का साथ छोड़ एक बार फिर से महागठबंधन का दामन थाम लिया है। इसके साथ ही नीतीश के राष्ट्रीय राजनीति में जाने की भी चर्चा होने लगी है। वैसे भी नीतीश के नेता नतीश में प्रधानमंत्री वाले गुण देखने लगे हैं। वैसे तो एक बार जो पीएम मैटैरियल हो जाता है हमेशा के लिए बना रहता है।

अभिनव आकाश

नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव 90 के दशक में दोस्त हुआ करते थे।दोनों की दोस्ती के चर्चे मशहूर थे। लेकिन 2005 में नीतीश ने बीजेपी के साथ मिलकर बिहार में सरकार बना ली और लालू को 15 सालों की हुकूमत को खत्म कर दिया। राजनीति में दोस्ती और दुश्मनी स्थायी नहीं होती। इसलिए 2013 में जब नीतीश ने बीजेपी से गठबंधन तोड़ा उसने बाद लालू ने उनका हाथ थामा और दोनों ने 2015 के चुनाव में महागठबंधन को उतारकर साथ सरकार बनाई। लेकिन दोस्ती से शुरू हुए इस रिश्ते में फिर से दरार पड़ गई। नीतीश ने 1994 में जार्ज फर्नांडीस के साथ मिलकर समता पार्टी बना ली थी। लालू ने 1997 में राजद बनाया और शरद जगतदा दल में ही रहे। साल 2003 में समता पार्टी का विलय जनता दल में हो गया और पार्टी का नाम जनता दल यूनाइटेड हो गया। नीतीश कुमार बीपी सिंघ और वाजपेयी सरकार में मंत्री रहे। 1999 में 13वीं लोकसभा के चुनाव संपन्न हुए और

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

वैश्विक स्तरपर अगर तजुबंदार, बुद्धों, अनुभवी ताउम्र लोगों और बड़े जुगुर्गों का नामसम्मान, एकजुटता की बात करें तो आदि अनादि काल से यह भारत में रही है। क्योंकि भारत की संस्कृति सभ्यता और यहां की मिट्टी में ही ऐसे गुणों की खान है जो जन्म से ही प्राणी के दिलों दिमाग में बस जाती है। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में पश्चिमी संस्कृति के सैलाब में इस उचित मार्गदर्शन की भागीदारी का कमजोर होना रेखांकित किया जा सकता है। जबकि आधुनिक नवीनतम नए भारत में युवाओं की संख्या तीव्रता से बढ़ रही है इसलिए क्योंकि 12 अगस्त 2022 को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस है इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से युवा शक्ति और हमारे बड़ों, अनुभवी, ताउम्र लोगों,याने अनभिज्ञ गत एकजुटता को कायम करने पर चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में भारत की युवा शक्ति की करें तो, भारत युवाओं का देश हैं, पूरे विश्व में भारत को युवाओं का देश कहा जाता है। हमारे देश में 35 वर्ष की आयु तक के 65 करोड़ युवा हैं। अर्थात्

अंतर पीढ़ीगत एकजुटता, सभी उम्र के लिए एक दुनिया बनाना

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

क्या बिहारी प्रधानमंत्री बनेगा?

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

संपादकीय

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

अभिनव आकाश

शार्ट न्यूज

युवती को होटल में बुलाकर मुंह में भर दिया मिर्चा, चापड़ से किये वार, डेढ़ सौ से ज्यादा लगे टांके

कानपुर। कानपुर में एक युवती के साथ हिंददहाड़े हेवानियत करने का मामला सामने आया है। युवती को पैसे लेने के लिए बुलाने के बाद उसके मुंह में पहले मिर्चा भर दिया गया। इसके बाद उस पर तांबड़ोड़ चापड़ से वार शुरू कर दिया। युवती खुद को बचाने के लिए भागी और एक दुकान में छिपकर अपनी जान बचाई। पुलिस की मदद से युवती को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां तीन घंटे तक लगातार जूझकर डॉक्टरों ने करीब डेढ़ सौ टांके लगाए हैं। पुलिस पूरी मामले को जांच में जुटी है। अधिकारियों को अस्पताल भेजा गया है। प्रापटी का काम करने वाली युवती निधि पांडेय ने बताया कि हमला करने वाले युवक अरविंद सिंह राठौर से उसकी सात साल पुरानी जान पहचान है। एक प्लाट दिलाने की युवक से बात हुई थी। युवती को एडवांस देने के बहाने उसने हॉलीडे होटल बुलाया था। युवती वहां पहुंची तो युवक ने पानी पीने के दौरान उसके मुंह मिर्चा भर दिया। फिर उसे घसीटते हुए अंदर लांबी में ले गया। इस दौरान तांबड़ोड़ उस पर चापड़ से हमला किया। युवती फिल्लती रही और अपने पास रखे करीब डेढ़ से दो लाख रुपये ले लेने और छोड़ने की बात कहती रही। किसी तरह युवती एक कमरे में घुस गई और उसे अंदर से बंद कर चिखाने लगी। युवती की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो युवक फरार हो गया।

रायबरेली : पिता के साथ गंगा स्नान करने आया था बेटा, गहरे पानी में जाने से डूबा, मौत

रायबरेली। रायबरेली में पिता के साथ गंगा स्नान करने आए बेटे की स्नान करते समय डूब कर मौत हो गई हैं। त्योहार की खुशियां मातम में बदल गईं। परिजनों में क्रोध मच गया है। परवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव कोराली निवासी मिथलेश कुमार सरोज अपने 14 वर्षीय बेटे ऋषि व परिजनों के साथ गंगा स्नान करने के लिए कोटरा बहादुर गंज घाट पर आए हुए थे। वहाँ गंगा में स्नान करते समय अचानक ऋषि गहरे पानी में चला गया जिससे उसकी डूब कर मौके पर ही मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों व स्नान करने आये हुए लोगों के द्वारा खोजबीन करके शव को बरामद कर लिया है और पुलिस को सूचना दिए गौर ही परिजन शव को लेकर घर चले गये हैं। वहीं इस घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है।

बंदरों की उछलकूद से दंपती पर गिर गई जर्जर दीवार, पति की मौत; पत्नी भी है घायल

कानपुर। कानपुर दक्षिणी के जूही नहरिया क्षेत्र में बंदरों की उछलकूद से एक जर्जर दीवार गिर गई और इसके नीचे सो रहे पति-पत्नी दब गए। इस हादसे में पति की मौत हो गई है जबकि घायल पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार जूही नहरिया इलाके में इसरार अहमद का दो मंजिला मकान है। बुधवार की रात उनकी बेटी और दामाद छत पर सो रहे थे। भोर में करीब 5 बजे बगल में रहने वाले कौशर की छत की बाउंड्री की जर्जर दीवार पर कुछ बंदर उछलकूद कर रहे थे। इसी दौरान करीब सात फिट ऊंची दीवार गिर गई और उसके नीचे सो रहे इसरार अहमद की बेटी मरियम और दामाद मेराज उर्फ अन्जू दब गए। परिवारवालों को सूचना मिली तो उन्होंने तत्काल दोनों को नजदीक के निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां मेराज ने दम तोड़ दिया। अस्पताल में मरियम का इलाज जारी है। जूही क्षेत्र के इस्पेक्टर जितेंद्र सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। घटना के बारे में परिवार की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

त्योहारी मौसम में झांसी खाद्य सुरक्षा विभाग की कड़ी कार्रवाई, नपे मिलावटी

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम में जनपद में जगह जगह त्योहारी सीजन में खाद्य व्यापारियों के खाने पीने के साजोसामान की जांच में जुटी है और अब तक लगभग 32 नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गये हैं इसके अलावा दूध और दूध से बनी मिठाइयों के 12 और खाद्य तेल वनस्पति के 14 नमूने लिये गये हैं। खाद्य विभाग की ओर से गुरुवार को यह स्पष्ट किया गया कि यदि नमूनों की जांच सही नहीं पायी गयी तो रिपोर्ट आने के बाद कानूनी कार्रवाई की जायेगी। आज दतिया गेट बाहर स्थित निकिता आरओ प्लांट की लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए टीम ने निरीक्षण किया और कमियां पायी जाने के बाद नोटिस जारी करते हुए 15 दिवस में कमियों को दूर करते हुए सुधार लाए जाने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि अगर सुधार नहीं किया गया तो कानूनी कार्रवाई की जायेगी। खाद्य विभाग की टीम में जनपद में खाद्य तेल में मिलावट की रोकथाम, ट्रांस्फैटी एसिड की मात्रा का पता लगाने, लेबलिंग प्रावधान और मल्टी सोस एडिबल ऑयल व वेजीटेबल आयल में समस्त मानकों पर ट्रांसफैटी एसिड की मात्रा की जांच कर रहीं हैं। खुले तेलों की बिक्री प्रत्येक दशा में जनपद में रोके जाने के निर्देश दिये गये हैं।

जालौन : आजादी के अमृत महोत्सव के तहत विभिन्न कार्यक्रमों की रही धूम

उरई। उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विभिन्न विभागों में कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन गुरुवार को किया गया। जिला अस्पताल परिसर में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर में महिला कल्याण विभाग के समस्त स्टॉफ जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ अमरेंद्र कुमार पौत्त्यायन व जिला कार्यक्रम अधिकारी इफितखार अहमद की उपस्थिति में झंडा गान तथा संगीठी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में देश हित में बलिदान देने वाले वीर शहीदों की शहादत को याद करते हुए उन्हें नमन किया गया और राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास पर प्रकाश डाला गया। हर घर तिरंगा कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित किया गया जिसमें बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्य तथा महिला कल्याण अधिकारी अल्कमा अख्तर संरक्षण अधिकारी जूली खानू वन स्टॉप सेंटर की सामाजिक कार्यकर्ता रिचा द्विवेदी एवं प्रवीणा स्टॉफ नर्स ज्योति तथा महिला कल्याण विभाग की रचना आदि ने प्रतिभाग किया। अंत में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए शपथ दिलाते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया इसी तरह परिवहन विभाग ने भी कुछ कार्यक्रमों का आयोजन किया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सौरभ कुमार ने अपने कार्यालय में सुबह झंडा फहराकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। साथ ही वाहन चालकों एवं परिचालकों को आजादी की महत्ता बताने के साथ-साथ सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों के प्रति भी जागरूक किया।

आईआईटी कानपुर और मेल रक्षा क्षेत्र में मिल कर करेंगे काम

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में संयुक्त रूप से काम करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन पर भेल की ओर से अनुसंधान निदेशक जय प्रकाश श्रीवास्तव और आईआईटी कानपुर की ओर से अनुसंधान एवं विकास के डीन, प्रोफेसर एश्वर हीरोश ने हस्ताक्षर किए। दोनों पक्ष सैद्धांतिक रूप से रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में सहमत क्षेत्रों में सहयोग, अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाने और घटकों, उप-संयोजनों और प्रणालियों या उपकरणों के निर्माण और आपूर्ति में सहयोग करेंगे। भेल टीम में पीसी झा (कार्यकारी निदेशक-भेल हरिद्वार यूनिट), परवेज अहमद और रोहित बंसल भी शामिल थे जबकि आईआईटी कानपुर की टीम में प्रो. मनिंद अग्वावाल, कंयूट्टर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग; प्रो. दीपू फिलिप, औद्योगिक और प्रबंधन इंजीनियरिंग विभाग, और सुश्री अवंती जोशी, और सुश्री श्रेया मिश्रा, कॉर्पोरेट संबंध और संचार (सीआरसी) सेल, आर एंड डी कार्यालय, आईआईटी कानपुर के प्रतिनिधि शामिल थे। एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए, आईआईटी कानपुर के निदेशक, प्रोफेसर अभय करंदीकर ने कहा, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र, भारत में सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से दो हैं। आईआईटी कानपुर इन क्षेत्रों में सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ निजी संगठनों के साथ विभिन्न रणनीतिक साझेदारी और बहु-अनुशासनात्मक सहयोग में शामिल रहा है।

तिरंगा यात्रा पर बवाल : पूर्व चेयरमैन समेत 210 पर केस दर्ज

अब तक 20 गिरफ्तार, पुलिस और पीएसी तैनात

पाली (हरदोई)। हरदोई जिले के कस्बे पाली में बुधवार शाम हुए बवाल में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पूर्व चेयरमैन रिजवान खान और सपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष समेत दस नामजद व 200 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही 20 लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। बवाल को देखते हुए क्षेत्र में पुलिस और पीएसी तैनात कर दी गई है। बता दें कि बवाल की सूचना पर एसपी और डीएम ने नगर में भ्रमण कर स्थित को नियंत्रण में किया था। गुरुवार सुबह एसपी राजेश द्विवेदी ने कस्बा पहुंचकर स्थित का जायजा लिया। दस थाकों की पुलिस के साथ पीएसी को भी लगाया गया है। उपरद में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। फिलहाल कस्बे में शांतिपूर्ण माहौल है। बाजार भी खुली हुई हैं। लोग खरीदारी के लिए भी पहुंच रहे हैं।



कस्बे को मोहल्ला इमाम चौक निवासी सिद्धेश्वरी रस्तोगी ने दी हुई तहरीर में बताया कि बुधवार शाम छह बजे के आसपास मोहल्ला निवासी मुजा, मारूफ, जुबेर, आरिफ, शमशाद उसके घर घुस आए। बेटी के साथ छेड़छाड़ करने लगे। विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए मुजा ने उसके सीने पर तमंचा लगाकर फायर किया जो मिस हो गया। जिससे वह बाल-बाल बच गई। तहरीर में बताया कि विपक्षी कहने लगे कि तेरा बेटा कहाँ है आज वो मेरे त्योहार पर

तिरंगा यात्रा की अगुवाई कर रहा था। उसे जान से मार डालेंगे। चीखने पर पड़ोस के लोग आ गए विपक्षी तमंचा व पिस्टल से हवाई फायर करने लगे। आए हुए लोगों के बीच बचाव करने पर विपक्षी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पुलिस भी मौके पर आ गई थी, जिससे माहौल शांत हो गया। कुछ देर बाद काफी मात्रा में लोग इकट्ठे होकर पत्थरबाजी करने लगे। भगदड़ मच गई। बाजार में दुकानों के शटर गिरे लगे। पुलिस के सिपाहियों के भी चोटें

आई। मौके पर शाहाबाद, पचदेवरा सहित कई थाकों की पुलिस के साथ एडिशन पंथमी दुर्गेश सिंह, सीओ शाहाबाद हेमंत उगाध्या, एसडीएम स्वायजपुर राकेश सिंह, सहित आलाधिकारी पहुंच गए। पुलिस ने जब लाटियां भांजना शुरू किया तो उपद्रवी भाग खड़े हुए। इससे स्थित सामान्य हो गई। इसके अलावा इमाम चौक निवासी नाने रस्तोगी ने दी हुई तहरीर में बताया कि बुधवार शाम सात बजे के आसपास पूर्व चेयरमैन नगर पंचायत पाली रिजवान खान, सपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष रहमत अली मौनु, सेनियाज खां, शान वारिस, रिहासलत के साथ 200 अज्ञात लोग मेरे घर पर मुझे जान से मारने की नीयत से एक राय होकर आए। रिजवान के हाथ में पिस्टल थी। अन्य लोग पत्थरब करने लगे। रिजवान आदि कुछ लोगों ने फायर किए। सभी परिजन बाल बाल बच गए।

यूपी : एक अक्तूबर से होगी धान की खरीदारी, योगी सरकार ने जारी की गाइडलाइन

बरेली। योगी आदित्यनाथ सरकार ने सत्र 2022-23 में समर्थन मूल्य पर धान खरीद के संबंध में गाइडलाइन जारी कर दी है। किसानों का रजिस्ट्रेशन भी शुरू हो गया है। बरेली मंडल में एक अक्तूबर से धान खरीदारी होगी। विशेष सचिव मार्केटिंग शाही ने सभी जिलों में डीएम और मार्केटिंग विभाग को धान खरीद के संबंध में आदेश दिए हैं। धान खरीदारी की 15 अगस्त से तैयारी शुरू की जाएगी। पहले जिला खरीद अधिकारी नामित होंगे। कृषि विभाग के सहयोग से 16 अगस्त से धान की फसल के रकबे का सर्वे कार्य शुरू होगा। इसके बाद परिवहन हैंडलिंग टैंडर, खरीद केंद्र टैंडर आदि जारी किए जाएंगे। इलेक्ट्रिक कांटा, डस्टर, तिरपाल, चबूतरा, बोरा, कर्मचारियों की ट्रेनिंग आदि की व्यवस्था पूरी की जाएगी। किसानों को रजिस्ट्रेशन शुरू करा दिया गया है। 125 सितंबर तक सारी तैयारियां पूरी कर लेनी हैं। 30 सितंबर से पहले पहले ट्रायल रन होगा। बरेली मंडल के चारों जिलों में 475 क्रय केंद्र बनाने की योजना है। केंद्रों को बढ़ाया और कम भी किया जा सकता है। तैयारियों के लेकर अरएमओ और डिप्टी अरएमओ आदि अधिकारी जुटे हैं। कृषि विभाग की मांमें तो इस बार सूखा घोषित हो चुका है। प्रदेश के 30 जिलों में बारिश नाममात्र हुई है। इसमें अपना बरेली भी शामिल है। गेहूं की खरीद भाव की लड़ाई के चलते सरकारी केंद्रों पर पिछड़ गई। बरेली में एक फौसदी भी खरीदारी लक्ष्य के अनुसार नहीं हो पाई। अब धान को लेकर भी चिंता होने लगी है। मौसम की बेरुखी की वजह से धान की फसल पर काफी असर होगा।

आदमखोर तेंदुआ : 10 साल के बच्चे को बनाया शिकार, गांववालों के आने तक बैठा रहा लाश के पास

महराजगंज। यूपी के महाराजगंज में एक तेंदुआ आदमखोर हो गया। जंगल के किनारे बकरी चराते हुए 10 साल के एक बच्चे को घसीट कर जंगल में ले गया और मारा डाला। गुरुवार की सुबह बच्चे की शत-विक्षत लाश मिली। इस घटना ने आसपास के इलाके में दहशत फैला दी है। लाश के पास तेंदुआ भी बैठा दिखा। कुछ लोगों का कहना है कि तेंदुआ बच्चे के शव पर ही बैठा था। मशाल जलाकर लाठी-भाला लेकर लोगों ने शोर मचाया, तब जाकर किसी तरह तेंदुआ भागा। इसके बाद पुलिस व वन विभाग की टीम के साथ ग्रामीण बघेला नाला पारकर शव को गांव लाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल हो गया है। बेलभार निवासी पिंटू यादव का दस साल का बेटा अमित यादव बुधवार



को स्कूल से आने के बाद शाम गांव से सटे पूरब जंगल किनारे बकरी चराने गया था। तभी से देर रात तक घर नहीं लौटा। लोगों का कहना है कि बकरी चराने के दौरान ही तेंदुआ उसे जंगल में घसीटकर ले गया। देर रात तक परिजनों व ग्रामीणों ने जंगल और आसपास उसको खूब तलाश की, लेकिन कहीं उसका पता नहीं चला। गुरुवार की सुबह सैकड़ों की संख्या में लोग डंडा व भाला आदि लेकर जंगल में तलाश करने निकले। इसी दौरान बच्चे का शव दिखा। शव बुरी तरह क्षत-विक्षत था। धड़ से सिर अलग था

अनुठे अंदाज में मना रक्षाबंधन: पेड़ों को राखी बांध कर लिया उनकी रक्षा का संकल्प

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा में पर्यावरण प्रेमियों ने गुरुवार को रक्षाबंधन का त्योहार अनुठे अंदाज में मनाते हुए पेड़ों को राखी बांध कर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। सावन की पूर्णिमा के मौके पर सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग तड़के रिमझिम फुहारों के बीच एकत्र हुए और यहाँ गोरखगिरी धाम की परंपरागत परिक्रमा भजन कीर्तन के साथ श्रद्धा अर्पे उल्लास के माहौल में पूर्ण की। बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे एवं वृद्ध भी इसमें सम्मिलित रहे। इस दौरान करीब पांच किलोमीटर के परिक्रमा मार्ग में स्थित वृक्षों को राखी बांध कर लोगों ने उनके संरक्षण का संकल्प लिया। सामाजिक संगठन बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर ने बताया कि पेड़ पर्यावरण के रखवाले हैं। इनका मानव से सृष्टि की रचना के समय से ही सम्बन्ध है। समय पुराण में एक पेड़ दस पुत्र समान की सुक्ति देकर इनके महत्व को इंगित किया गया है। यही वजह रही है कि बुंदेली समाज ने पेड़ों के संरक्षण कार्यक्रम में रक्षाबंधन को

शामिल करके इस त्योहार को मनाया। राष्ट्रीय स्तर के संगीत साधक सिद्ध गोपाल सेन ने बताया कि महोबा स्थित गोरखगिरी धाम की प्रमुख धार्मिक क्षेत्र के रूप में मान्यता स्थापित हुई है। यहां प्रत्येक पूर्णमासी को परिक्रमा के लिए भारी संख्या में भक्तों की भीड़ जुटती है। भक्तों ने परिक्रमा मार्ग के पेड़ों को राखियां बांध कर यहाँ हरीतिमा बढ़ाने व पर्यावरण के संरक्षण का जो संकल्प लिया है वह काबिले तारीफ है। उल्लेखनीय है कि महोबा का गोरखगिरी धाम, सन्त गुरु गोरखनाथ की तपस्थली के रूप में विख्यात है। त्रेता युग में भगवान राम ने अपने 14 वर्ष के वनवास काल का काफी समय यहाँ गुजारा था। यहां मौजूद सिद्ध बाबा का पुष्पानुमा मंदिर जोवं सीता रसोई समेत विभिन्न स्थल इतक प्रमाण हैं। गोरखगिरी धाम के पौराणिक एवं धार्मिक महत्व के चलते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां पर्यटन विकास हेतु एक खास कार्ययोजना के माध्यम से सुंदरीकरण एवं विकास के अनेक कार्य शुरू कराये हैं।

गोरखपुर-बस्ती फोरलेन पर पिकअप को बस ने मारी टक्कर

गोरखपुर। अयोध्या से स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को गोरखपुर-लखनऊ फोरलेन पर बस्ती में एक बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में गोरखपुर, महराजगंज और देवरिया जिले के तीन दर्जन से ज्यादा लोग सवार थे। इनमें से 24 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सभी को सीएससी हर्षया और कप्तानगंज ले जाया गया जहां से डॉक्टरों ने झुंझर और खलासी सहित डेढ़ दर्जन घायलों को जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया। गोरखपुर के झंगहा थाना क्षेत्र, देवरिया के कोल्हुआ और महराजगंज जिले के फरेंदा थाना क्षेत्र के श्रद्धालु अयोध्या स्नान-ध्यान के लिए गए थे। गुरुवार की सुबह पिकअप से लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि बस्ती जिले के

अयोध्या से लौट रहे 24 श्रद्धालु घायल



छावनी कस्बे में अयोध्या से बस्ती की तरफ जा रहे बस के चालक ने राम जानकी विराहे पर सवारी उतारने के लिए अचानक ब्रेक लगा। तभी पीछे चल रही पिकअप उसमें टकरा गई। कप्तानगंज में भी यही हुआ। घटना के बाद चीख पुकार सुनकर प्राइवेट टैक्सि चालक उनको जान बचाने दौड़ पड़े। गोरखपुर के झंगहा थानांतर्गत कोल्हुआ

निवासी पाला (95) पत्नी भगवान, गुलाबी देवी (45) पत्नी अमरनाथ गुप्ता, तारा (55) पत्नी अश्वैबर, सुनीता (45) पत्नी बृजमोहन, किशन (35) पत्नी रामदेव, पारस गुप्ता (65) पुत्र मथुरा, बिन्दु (55) पत्नी बलवंत, बलवंत (60) पुत्र नरेश, जयन्ता पुत्र रामआशीष, हरीलाल (59) पुत्र राममिलन, बहापुर निवासी बच्ची देवी पत्नी दीनाराल, इटौआ निवासी चम्पा पत्नी सुखपाल के अलावा बर्फी देवी पत्नी तेरस गुप्ता निवासी पचमी चौहान देवरिया, सुनीता (48) पत्नी रामहरक

आजादी का अमृत महोत्सव भाजपा का दिखावा मात्र : अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार और पुलिस उत्पीड़न चरम पर होने का दावा करते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा कि आजादी के 75 वर्ष पर आयोजित अमृत महोत्सव भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दिखावा मात्र है। यादव ने जारी बयान में कहा कि पुलिस की उत्पीड़न को कार्यवाहियां जारी है, मुख्यमंत्री अब इस सबसे बेखबर बन गये है क्योंकि उनका कोई नियंत्रण गुह विभाग पर नहीं रहे गया है। मैमपुरी में पुलिस पिटाई से परेशान होकर एक युवक ने जान दे दी। खुद पुलिस वाले भी अपने विभाग में शिकार बन जाते हैं। एक पुलिस वाला रो-रोकर बता रहा है कि उसे इतना खराब खाना दिया जा रहा है जिसे जानवर भी न खाए। वह कहता है कि अफसर सुनते नहीं, वह किससे शिकायत करें।

जनता को संकीर्ण राजनीति का शिकार ना बनाए योगी सरकार : अखिलेश

इटवा। इटवा में सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के अधीन निर्माणाधीन 500 बेड के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के निर्माण कार्य में ढिलायी बरतने का आरोप लगाते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जनता को अपनी संकीर्ण सोच और राजनीति का शिकार बनाने से परहेज करना चाहिये। यादव ने गुरुवार को अपने गांव सैफई में निर्माणाधीन 500 बेड के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल पिछले सात वर्षों से बजट के अभाव में निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। अगर समय अनुसार बजट मिल जाता तो वर्ष 2018 में ही अस्पताल सुचारू रूप से चालू हो जाता मरीजों को जिसका फायदा मिलना शुरू हो जाता। सूत्रों ने बताया कि सपा शासनकाल में साल 2014 में 500 बेड के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनाने का फैसला लिया गया था।

लखनऊ में जमीन फर्जीवाड़ पर लगेगी रोक

एलडीए ने बनाई फर्जी रजिस्ट्री रोकने के लिए नई व्यवस्था

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जमीन फर्जीवाड़ पर रोक लगेगी। एलडीए में अब फर्जी रजिस्ट्री नहीं हो पाएगी। एलडीए ने फाइलों के परीक्षण के लिए नयी व्यवस्था बनायी है। विशेषज्ञ वकील फाइलों का परीक्षण करेंगे। उन्हीं को देखरेख में रजिस्ट्री भी होगी। निबंधन कार्यालय भी बावू के साथ अब एलडीए के वकील जाएंगे। इससे लोगों को रजिस्ट्री में कोई असुविधा भी नहीं होगी। एलडीए में रजिस्ट्री कराने में लोगों को अभी पसीने आ जाते हैं। प्राधिकरण के कर्मचारी लोगों को परेशान करते हैं। प्रापटी डीलरों के साथ मिलकर तमाम फर्जी रजिस्ट्री भी करवाते हैं। एलडीए उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी को जिम्मेदारी सँभालने के बाद इसकी जानकारी हुई थी। जिसके बाद उन्होंने इसमें सुधार की कवायद शुरू की थी। अब इस सम्बंध में नयी व्यवस्था बनायी गयी है। अब रजिस्ट्री केवल एलडीए के कर्मचारी नहीं करेंगे। इसमें वकील भी शामिल होंगे। इसके लिए कुछ वकीलों को रिटेनर नियुक्त किया गया है। वह रजिस्ट्री की फाइलें तैयार

बारे में जानकारी हासिल है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में साल 2016 में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का कार्य शुरू किया गया था जिसके काम को राजनैतिक विद्वेष को भावना के चलते भाजपा सरकार ने रोक दिया है। सपा सूत्रों ने बताया कि अखिलेश अब सैफई में अश्रु पड़े प्रोजेक्टों का मुद्दा विधानसभा में उठाएंगे। सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के 500 बेड सुपर स्पेशलिटी अस्पताल पिछले सात वर्षों से बजट के अभाव में निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। अगर समय अनुसार बजट मिल जाता तो वर्ष 2018 में ही अस्पताल सुचारू रूप से चालू हो जाता मरीजों को जिसका फायदा मिलना शुरू हो जाता। सूत्रों ने बताया कि सपा शासनकाल में साल 2014 में 500 बेड के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनाने का फैसला लिया गया था।



कराएंगे। फिर उनके साथ रजिस्ट्रार कार्यालय में रजिस्ट्री भी कराने जाएंगे। इससे लोगों के साथ कोई धोखाधड़ी व फर्जीवाड़ा नहीं हो पाएगा। प्रापटी डीलरों के साथ मिलकर तमाम फर्जी रजिस्ट्री भी करवाते हैं। एलडीए उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी को जिम्मेदारी सँभालने के बाद इसकी जानकारी हुई थी। जिसके बाद उन्होंने इसमें सुधार की कवायद शुरू की थी। अब इस सम्बंध में नयी व्यवस्था बनायी गयी है। अब रजिस्ट्री केवल एलडीए के कर्मचारी नहीं करेंगे। इसमें वकील भी शामिल होंगे। इसके लिए कुछ वकीलों को रिटेनर नियुक्त किया गया है। वह रजिस्ट्री की फाइलें तैयार

रजिस्ट्री में होने वाले फर्जीवाड़े व निबंधन कार्यालयों में लोगों की मदद के लिए नयी व्यवस्था बनायी गयी है। इससे लोगों को काफी फायदा होगा। रजिस्ट्री कराने में आने वाली दिक्कतें खत्म हो जाएंगी। इसके लिए वह कोई चार्ज नहीं लेंगे।

रजिस्ट्री में होने वाले फर्जीवाड़े व निबंधन कार्यालयों में लोगों की मदद के लिए नयी व्यवस्था बनायी गयी है। इससे लोगों को काफी फायदा होगा। रजिस्ट्री कराने में आने वाली दिक्कतें खत्म हो जाएंगी। इसके लिए वह कोई चार्ज नहीं लेंगे।

डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी, उपाध्यक्ष, एलडीए

अभी आवंटियों को निबंधन कार्यालयों में एलडीए से कोई मदद नहीं मिलती है। प्राधिकरण के बाबू केवल फाइल लेकर पहुंच जाते हैं। गवाही के रूप में फोटो खिंचवाकर किनारे हो जाते हैं। अन्य काम आवंटों को खुद करना पड़ता है। जिसकी वजह से लोगों को दिक्कतें होती हैं। अनावश्यक सुविधा शुल्क देना पड़ता है। लेकिन नयी

शार्ट न्यूज

रुपया 37 पैसे गिरा

मुंबई। आयातकों और बैंकर्सों की लिवाली के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 37 पैसे गिरकर 79.62 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। पिछले कारोबार दिवस रुपया 38 पैसे मजबूत होकर 79.25 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया तीन पैसे बढ़कर 79.22 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। हालांकि लिवाली होने से यह 79.94 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले सत्र के 79.25 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 37 पैसे टूटकर 79.62 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

कोयला उत्पादन जुलाई में 11.37 प्रतिशत बढ़कर 6.04 करोड़ टन

नयी दिल्ली। कोयला उत्पादन जुलाई में 6.04 करोड़ टन पर पहुंच गया जो एक वर्ष पहले इसी माह के 5.42 करोड़ टन उत्पादन से 11.37 प्रतिशत अधिक है। कोयला मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2022 में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और कैप्टिव खदानों का उत्पादन क्रमशः 11.12 प्रतिशत और 44.37 प्रतिशत बढ़कर 4.73 करोड़ टन और 0.98 करोड़ टन रहा। हालांकि इस दौरान सिंगरेनो कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एएससीएल) के उत्पादन में वार्षिक आधार पर 32.51 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। आलोच्य माह में देश की प्रमुख 37 कोयला खदानों में से 24 खदानों का उत्पादन लक्ष्य के 100 प्रतिशत से अधिक रहा जबकि अन्य सात में उत्पादन 80–100 प्रतिशत के बीच रहा। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई माह में कोयले का उठाव 8.51 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 6.78 करोड़ टन रहा जो एक वर्ष पूर्व इसी माह में 6.25 करोड़ टन था। इस दौरान सीआईएल ने 8.17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5.45 करोड़ टन और कैप्टिव खदानों ने 40.78 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ करीब एक करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की। बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए बिजली संयंत्रों को आलोच्य माह में 17.90 प्रतिशत अधिक 5.84 करोड़ टन कोयला भेजा गया। बिजली संयंत्रों को जुलाई 2021 में करीब पांच करोड़ टन कोयला भेजा गया था। जुलाई 2022 में कोयला आधारित बिजली उत्पादन पिछले वर्ष के समान माह की तुलना में 4.76 प्रतिशत अधिक रहा। जबकि इस माह में कुल बिजली उत्पादन 4.29 प्रतिशत बढ़ा है।

बाटा का पहली तिमाही में परिचालन राजस्व 943 करोड़ रुपये

गुरुग्राम। देश की प्रमुख फूटवियर कंपनियों में से एक बाटा इंडिया लिमिटेड का वित्त वर्ष 2022–23 की पहली तिमाही में कर पूर्व लाभ बढ़कर 159.7 करोड़ रुपये रहा। बाटा को इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कर पूर्व 94.9 करोड़ रुपये का हाटा हुआ था। बाटा ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका परिचालन राजस्व उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 943 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2021–22 की इसी तिमाही में कंपनी को परिचालन राजस्व 267 करोड़ रुपये था।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता-वार्ता का 5वां दौर संपन्न

नयी दिल्ली, 11 अगस्त (वार्ता) भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौडा (एफटीए) के लिए 5वें दौर की बातचीत पूरी हो गयी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने इस बारे में गुरुवार को एक बयान में कहा कि वार्ता 29 जुलाई को पूरी हुई। इसमें शामिल अधिकारियों ने आमने-सामने और वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मिले जुले तरीके से वार्ता की। कुछ दलों की बैठक नई दिल्ली में हुई और ज्यादातर अधिकारी बैठक में व्चैटअल रूप में शामिल हुए। बयान में कहा गया है कि वार्ता के इस दौर के लिए दोनों पक्षों के तकनीकी विशेषज्ञों ने 15 नीतिगत क्षेत्रों से जुड़े विषयों पर संधि के मसौदे पर 85 अलग-अलग सत्रों में विस्तृत प्रारूप से चर्चा की। भारत और ब्रिटेन के अधिकारी अक्टूबर तक एक व्यापक और मुक्त व्यापार समझौते पर अधिकांश वार्ता को समाप्त करने के लक्ष्य की दिशा में काम जारी रखेंगे।

राजस्थान में 11 करोड़ की अवैध संपत्ति जब्त

नयी दिल्ली। आयकर विभाग द्वारा जयपुर के एक समूह के परिसरों पर की गयी छापामारी में 150 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाबी संपत्ति अर्जित करने का पता चलने के साथ ही 11 करोड़ रुपये की इसी तरह की संपत्ति भी जब्त की गयी है। विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि गत तीन अगस्त को यह छापामारी की गयी। यह कार्रवाई रेल और आभूषण, आतिथ्य सत्कार तथा रियल एस्टेट व्यवसाय में शामिल है। यह तलाशी अधिभान जयपुर और कोटा स्थित तीन दर्जन से अधिक परिसरों में चलाया गया। तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में आपत्तिजनक दस्तावेज तथा डिजिटल साक्ष्य पाए गए और उन्हें जब्त किया गया। रियल एस्टेट व्यवसाय के जब्त साक्ष्यों के विश्लेषण से पता चलता है कि समूह ने आवासीय घरों और निगम की बिक्री पर नकद स्वीकार करके बड़े पैमाने पर कर चोरी की है जो नियमित खाता-बही में दर्ज नहीं है। इसके अतिरिक्त तलाशी के दौरान रत्नों और आभूषणों की बिक्री से जुड़े सबूत भी मिले। तलाशी में यह भी पता चला कि इस तरह अर्जित की गई बिना हिस्साब-किताब की आय को भूमि, लक्जरी होटल के निर्माण में निवेश किया गया और इसका उपयोग नकद ऋण पोषण में भी किया गया है। जब किए गए साक्ष्यों में इन नकद ऋणों पर अर्जित व्याज का विवरण होता है जिसे लेखा पुस्तकों में दर्ज नहीं किया गया। प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि समूह ने 150 करोड़ से अधिक की बेहिसाबी आय अर्जित की है। तलाशी अधिभान में अब तक 11 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाब संपत्ति जब्त की गई है।

अदाणी समूह ओडिशा में एल्युमिनियम, लौह अयस्क क्षेत्र में करेगा 57,575 करोड़ रुपये का निवेश

अहमदाबाद। अरबभारत गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले अदाणी उद्योग समूह ने ओडिशा में एल्युमिना रिफाइनरी और लौह अयस्क मूल्यवर्द्धन के क्षेत्र में दो परियोजनाएं स्थापित और इन पर राज्य में 57,575 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। ओडिशा सरकार ने अदाणी समूह को 40 लाख टन वार्षिक क्षमता की एल्युमिना रिफाइनरी और तीन करोड़ टन वार्षिक क्षमता की लौह-अयस्क (मूल्यसंवर्धन) परियोजना को मंजूरी दे दी है। अदाणी समूह ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा, भारत में अवसरचना, बिजली और विविध क्षेत्रों में तेजी से वृद्धि कर रहा अदाणी समूह ओडिशा राज्य में 57,575 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता में राज्य सरकार के उच्च स्तरीय स्वीकृति प्राधिकरण (एचएलसीए) ने अदाणी समूह को दो परियोजना प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की है। इसमें एक 40 लाख टन वार्षिक क्षमता की एल्युमिना रिफाइनरी और तीन करोड़ टन क्षमता की लौह अयस्क मूल्य संवर्धन परियोजना का प्रस्ताव शामिल है। समूह ने कहा है कि इन परियोजनाओं से 9,300 लोगों को प्रत्यक्ष और दसियों हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। एल्युमिना रिफाइनरी ओडिशा में बॉक्साइट खानों और संभावित भंडारों के नजदीक स्थापित करने का प्रस्ताव है जबकि लौह-अयस्क परियोजना ब्यॉरंड और बकरा जिलों में फैली होगी। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा, ओडिशा हमारे लिए सबसे रणनीतिक महत्व के राज्यों में है और हम वहां निवेश करते आ रहे हैं और हम मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मिलने वाले समर्थन की सरहना करते हैं।

नयी ऑडी व्यू 3 की बुकिंग शुरु

मुंबई। जर्मनी की लर्ज़रि कार कंपनी ऑडी ने गुरुवार को भारत में ग्राहकों के लिए अपनी नयी ऑडी व्यू 3 की बुकिंग शुरु कर दी। इसे कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप मार्डॉआडी कनेक्ट पर बुक किया जा सकता है। नयी ऑडी व्यू 3 दो वेरिएंट प्रीमियम प्लस और टेक्नोलॉजी में उपलब्ध है जिसमें एक होट्ट सेगमेंट-फर्नस्ट फीचर्स हैं। नयी ऑडी व्यू 3 को शुरुआती कीमत 2,00,000 रुपये से बुक किया जा सकता है। इसमें पहले 500 ग्राहकों को आकर्षक लाभ प्रदान किए जाएंगे।

केजरीवाल ने मुफ्त की रेवड़ी की बहस को विकृत रूप दिया: सीतारमण

एजेन्सी
नयी दिल्ली। मुफ्त की रेवड़ी और सन्धिडी पर छिड़ी राजनैतिक बहस के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि गरीबों और जरूरतमंदों को स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधा देना केंद्र सरकार की कल्याणकारी नीतियों और कार्यक्रमों का मुख्य अंग है और इसे मुफ्त की रेवड़ी कहना मुद्दे को भटकाना है। उन्होंने कहा कि गरीबों और जरूरतमंदों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं हर सरकार की प्राथमिकता रही हैं लेकिन बिजली और पानी मुफ्त देने तथा सन्धिडी देने के मुद्दे पर स्वस्थ बहस होनी चाहिए। वित्त मंत्री ने यह बात ऐसे समय कही है जबकि राज्यों की वित्तीय सेहत के

संदर्भ में मुफ्त रेवड़ी बांटने की

राजनीति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जैसे कुछ नेता यह प्रचार कर रहे हैं कि वर्तमान केंद्र सरकार गरीबों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों के पक्ष में नहीं है। सीतारमण ने यहां कुछ संवाददाताओं से एक अनौपचारिक बातचीत में कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री ने मुफ्त की रेवड़ी की बहस को ओछा रंग देने का प्रयास किया है।

स्वास्थ्य और शिक्षा के कार्यक्रमों को कभी भी मुफ्त की रेवड़ी नहीं माना गया है। भारत में किसी भी सरकार ने कभी भी गरीबों को इससे वंचित नहीं किया है।

श्री केजरीवाल शिक्षा और स्वास्थ्य को



मुफ्त की रेवड़ी की श्रेणी में प्रस्तुत करके गरीबों के मन में एक डर और चिंता पैदा करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा,इस विषय पर ईमानदारी से बात और बहस होनी चाहिए।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि देश में सरकारों की सोच और विचारधारा कुछ भी रही हो, स्वास्थ्य और शिक्षा

संसेक्स चार माह बाद हुआ 59 हजारी

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर वित्त, आईटी, बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, रियल्टी और टेक समेत तरह समूहों में हुई लिवाली से संसेक्स आज करीब एक प्रतिशत चढ़कर चार माह के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेरयों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 515.31 अंक की छलांग लगाकर चार महीने बाद 59 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 59332.60 अंक पर रहा। इससे पहले यह 08 अप्रैल को 59447.18 अंक पर रहा था।इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निपटी 124.25 अंक की बढ़त लेकर 17659 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली हुई।मिडकैप 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,727.38 और स्मॉलकैप 0.52 प्रतिशत चढ़कर 27,798.02 अंक पर रहा।बीएसई में कुल 3537 कंपनियों के शेरयों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1843 में तेजी जबकि 1548 में गिरावट रही वहीं 146 में कोई बदलाव नहीं

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर
नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बीते कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहने बावजूद देश में गुरुवार को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। देश में करीब दो माह से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में स्थिरता होने से आम आदमी के लिए राहत बनी हुयी है।सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमशः 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर पर हैं।अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.10 प्रतिशत गिरकर 97.30 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकाी क्रूड 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 91.80 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार का रहा। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल हुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं।

भारत में कनाडा के कॉफी ब्रांड टिम हॉर्टन्स का प्रवेश

नयी दिल्ली। कनाडा के कॉफी और बेकरी उत्पादों के मशहूर ब्रांड टिम हॉर्टन्स ने गुरुवार को देश में दो आउटलेट खोलकर एक नयी शुरुआत की है। ये दोनों आउटलेट दिल्ली-एनसीआर के सेलेक्ट सिटीवॉक मॉल (साकेत) और डीएलएफ साइबरहब (गुरुग्राम) में खोले गए हैं। भारत में कनाडा के राजदूत केमरन मैके ने आउटलेट्स का उद्घाटन किया। टिम हॉर्टन्स ने एक बयान में कहा कि कॉफी ब्रांड देश में अपरेल ग्रुप और

गेटवे पार्टनर के स्वामित्व वाले एक संयुक्त उद्यम इकाई के साथ एक विशेष करार के तहत भारत में समझौते के हिस्से के रूप में ये आउटलेट्स खोले गए हैं। देश में टिम हॉर्टन्स ब्रांड के लिए मास्टर फ्रेंचाइजी का जिम्मा एजी कैफे इंटरनेशनल मैनेजमेंट लिमिटेड के पास है।इन आउटलेट में टिम हॉर्टन्स अपनी विशिष्ट कॉफी, पेय पदार्थ और स्वादिष्ट भोजन के विकल्प पेश किए हैं। इसमें ग्राहक क्रीमी और रिच फ्रेंच वेनिला, आइस्क कैफे-एक ब्लेंडेड फोजन कॉफी बेवरेज के साथ-साथ पारंपरिक

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बीते कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहने बावजूद देश में गुरुवार को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। देश में करीब दो माह से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में स्थिरता होने से आम आदमी के लिए राहत बनी हुयी है।सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमशः 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर पर हैं।अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.10 प्रतिशत गिरकर 97.30 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकाी क्रूड 0.14 प्रतिशत के साथ 91.80 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार का रहा। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल हुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं।

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बीते कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहने बावजूद देश में गुरुवार को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। देश में करीब दो माह से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में स्थिरता होने से आम आदमी के लिए राहत बनी हुयी है।सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमशः 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर पर हैं।अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.10 प्रतिशत गिरकर 97.30 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकाी क्रूड 0.14 प्रतिशत के साथ 91.80 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार का रहा। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल हुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं।

मुकाबले 0.88 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,332.60 अंक पर रहा।

इसी तरह निपटी भी 177 अंक चढ़कर 17,711.65 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17,719.30 अंक के उच्चतम जबकि 17,631.95 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 17,534.75 अंक की तुलना में 0.71 प्रतिशत मजबूत होकर 17,659 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में एक्सिस बैंक 2.75, बजाज फाइनेंस 2.36, एचडीएफसी 2.32, टेक महिंद्रा 2.12, टीसीएस 1.98, एसबीआई 1.95, विप्रो 1.93, एचडीएफसी बैंक 1.42, आईसीआईसीआई बैंक 1.27, इंफोसिस 1.14, एचसीएल टेक 1.00, रिलायंस 0.32 और अल्ट्रासिमको 0.06 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, आईटीसी 1.56, एनटीपीसी 1.38, हिंदुस्तान यूनीलीवर 1.04, भारती एयरटेल 0.76, मार्सेल 0.69, नेस्ले इंडिया 0.39, पावरग्रिड 0.25, एशियन पेंट 0.22, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.15 और टाटा स्टील ने 0.14 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

सेल का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ घटकर 776 करोड़ रुपये

एजेन्सी
नयी दिल्ली। इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली सार्वजनिक उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बड़ी गिरावट के साथ 776 करोड़ रुपये रहा। सेल ने वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में 3,850 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2022–23 की

डोनस्ट (टिम्बिट्स) के स्वाद का आनंद ले सकते हैं। श्री मैके ने कहा, लाखों कनाडाई दशकों से टिम हॉर्टन्स का आनंद ले रहे हैं-अब उस स्वाद को भारत के साथ साझा करने का समय आ गया है। भारतीय अब उस स्वाद का आनंद ले सकते हैं जो कनाडा में बड़े होने का एक अनिवार्य हिस्सा है और हमें उनके भारत में आमन का समर्थन करते हुए अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हैं। टिम हॉर्टन्स फ्रेंचाइज इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नवीन

गुरानी ने कहा, हमारी मार्च 2022 में अगले 10 वर्षों में भारत में सैकड़ों स्टोर खोलने के अपने लक्ष्य और योजना की घोषणा की। आज यह उस रोमांचक प्रतिबद्धता में पहला कदम है। टिम हॉर्टन्स सिर्फ एक लोकप्रिय कॉफी आउटलेट्स नहीं है, यह एक अनुभव है। हम दिल्ली एनसीआर से शुरुआत कर रहे हैं और आने वाले महीनों में पंजाब राज्य में आउटलेट खोलेंगे। मैं अपने कर्मचारियों और भागीदारों को उनके विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

की मंजूरी दी है। यह पूरा प्रोजेक्ट 41000 हजार करोड़ रुपये या फिर 5.2 अरब डॉलर में पूरा होने की उम्मीद है।सरकार की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार इस प्लांट की कुल क्षमता 1 मिलियन टन की होगी। गौतम अडानी ने दिसंबर 2021 में मुंद्रा एल्युमिनियम लिमिटेड कंपनी बनाई

और पानी जैसी सुविधाएं मुफ्त देने के वायदे कर रहे हैं। इसको लेकर अर्थशास्त्रियों के एक वर्ग ने चिंता जतायी है कि ऐसा करने से सरकारों की वित्तीय स्थिति चरमरा जाएगी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों चुनाव के समय तमाम तरह की सन्धिडी और प्रलोभनों तथा मुफ्त की सुविधाओं को 'मुफ्त की रेवड़ी' की संस्कृति बताते हुए इसके खतरे को समझने की अपील की थी। इसके बाद से यह मुद्रा राजनैतिक बहस का विषय बना हुआ है। श्री मोदी ने हाल में राज्य सरकारों से ये भी अपील की थी कि वे बिजली

वितरण कंपनियों के बकायों का भुगतान करें क्योंकि भारी बकायों के कारण बिजली वितरण और उत्पादन कंपनियों को वित्तीय हालत खराब हो रही है और इसका पूरे क्षेत्र पर बुरा असर पड़ रहा है। बिजली कंपनियों का राज्यों पर बकाया 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। श्री केजरीवाल इस मुद्दे पर हस्तक्षेप करते हुए बयान दे रहे हैं कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को मुफ्त देना सरकारों की जिम्मेदारी बनती है। वह प्रधानमंत्री के बयान को लेकर केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की आलोचना कर रहे हैं। श्री केजरीवाल ने हाल ही में गुजरात में अपनी आम आदमी पार्टी को रैलियों में वहां अपनी पार्टी की सरकार बनने को मुफ्त बिजली देने और महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक भत्ता देने की घोषणा की है।

एयरटेल डिजिटल ने लॉन्च किया विक स्टूडियो

नयी दिल्ली। डाउनलोड और डेली एक्टिव यूजर्स की संख्या के मामले में भारत के नंबर 1 म्यूजिक स्ट्रीमिंग ऐप, विक म्यूजिक ने गुरुवार को भारत और विदेशों के इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट के लिए भारत के सबसे बड़े म्यूजिक डिस्ट्रीब्यूशन इकोसिस्टम विक स्टूडियो को लॉन्च किया। विक स्टूडियो कलाकारों को अपना संगीत लॉन्च करने में सक्षम बनाएगा और कई प्लेटफॉर्म पर उनके म्यूजिक को माॅनेटाइज करने के लिए उनके साथ भागीदारी भी करेगा। विक स्टूडियो एयरटेल के डिजिटल प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का एक हिस्सा होगा जिसमें विक, एयरटेल एकसट्रीम, एयरटेल ऐड्स, एयरटेल आईक्यू शामिल हैं। विक स्टूडियो भारत में म्यूजिक इकोसिस्टम को गति प्रदान करने की दिशा में एयरटेल का एक महत्वपूर्ण कदम है। स्टूडियो की पहला आगले वर्ष में इस मॉड में 5000 से अधिक इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स को लॉन्च करने की है। विक स्टूडियो कलाकारों को अपने संगीत को विक म्यूजिक ऐप के साथ-

16.4 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। इस तिमाही में कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 24,029 करोड़ रुपये रही। यह वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में 20,642 करोड़ रुपये थी। इस तिमाही के दौरान ने सेल ने अब तक के किसी भी तिमाही का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन भी दर्ज किया है। कंपनी ने 30 जून 2022 को समाप्त हुयी तिमाही में 43.3 लाख टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया जो इससे पिछले वर्ष

की समान तिमाही में 37.7 लाख टन था। आलोच्य तिमाही में कंपनी ने 31.5 लाख टन कोयला बेचा जबकि वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में 33.3 लाख टन कोयला बिका था। वित्त वर्ष 2022–23 की पहली तिमाही में कंपनी की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय (एबिटडा) घटकर 2,606 करोड़ रुपये रही जो इससे पिछले वर्ष की समान तिमाही में 6,674 करोड़ रुपये थी।

टाटा पावर-डीडीएल ने लगातार दूसरे वर्ष किया आरपीओ का 100 प्रतिशत पालन

नयी दिल्ली। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-डीडीएल) लगातार दूसरे वर्ष रियल्यूबल परचेज ऑब्जेक्टिवन (आरपीओ) को 100 फीसदी लागू करने वाली बिजली वितरण कंपनी बन गयी है। टाटा पावर-डीडीएल ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि कंपनी ने सौर, पवन, जल और कचरे से ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों से 220 करोड़ यूनिट हरित ऊर्जा खरीदी है जिसमें बड़े जल स्रोतों और फिजिकल ऊर्जा के माध्यम से वित्त वर्ष 2021–22 के लिए आरपीओ को पूरा करना शामिल है। आरपीओ के तहत बिजली वितरण कंपनियों को अक्षय ऊर्जा का एक हिस्सा खरीदना अनिवार्य है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गणेश श्रीनिवासन ने कहा,आने वाले कल को हरा-भरा बनाने के कंपनी के दृष्टिकोण के तहत हम बड़े पैमाने पर हरित ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रहे हैं और स्थायित्व पर बल दे रहे हैं। हम ऊर्जा के लिहाज से सुरक्षित देश बनने और वर्ष 2030 तक ऊर्जा संबंधी जरूरतों का बड़ा हिस्सा अपने दम पर पूरा करने के सरकार के लक्ष्य के साथ हैं।

गौतम अडानी की बड़ी तैयारी, एल्युमिना रिफाइनरी प्लांट में लगाएंगे 41000 करोड़ रुपये, मिली सरकार की मंजूरी

नयी दिल्ली। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी एक के बाद एक नए सेक्टर इन्वेस्टमेंट कर रहे हैं। अब अडानी एंटरप्राइजेज के नए निवेश के प्लान को लेकर बड़ी खबर आई है। अडानी समूह की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज उड़ीसा में एल्युमिना रिफाइनरी प्लांट लगाने की योजना बना रही है।राज्य की नवीन पटनायक सरकार की तरफ से अडानी समूह के इस प्लांट को मंजूरी दे दी गई है। हालांकि, इस पूरे मसले पर अडानी एंटरप्राइजेज ने किसी बयान से इनकार किया है। 41000 हजार करोड़ रुपये का होगा इन्वेस्टमेंट अडानी समूह को राज्य सरकार ने रायगडा जिले में यह रिफाइनरी लगाने की मंजूरी दी है। यह पूरा प्रोजेक्ट 41000 हजार करोड़ रुपये या फिर 5.2 अरब डॉलर में पूरा होने की उम्मीद है।सरकार की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार इस प्लांट की कुल क्षमता 1 मिलियन टन की होगी। गौतम अडानी ने दिसंबर 2021 में मुंद्रा एल्युमिनियम लिमिटेड कंपनी बनाई थी। इस कंपनी से उनकी योजनाओं का सफ अंदाजा लगाया जा सकता है। इस सेक्टर में फिनतहाल आदित्य बिड़ला समूह और लंदन की वेदांता रिसेसॉज लिमिटेड जैसी कंपनियों का दबदबा है। 126 अरब डॉलर की संपत्ति के मालिक गौतम अडानी बहुत तेजी के साथ पोर्ट्स और एग्री ट्रेडिंग के बाद एयरपोर्ट, रेंयूबल एनर्जी डेटा सेंटर जैसे सेक्टर में निवेश कर रहे हैं और अपना दबदबा बना रहे हैं। सीमेंट कारोबार की दुनिया में अडानी समूह ने रातों-रात जिस तरह 2022 में अडानी समूह ने 60.7 अरब डॉलर का जोन इकट्ठा किया था। इस फंड के जरिए कंपनी गुजरात में 5 हजार टन का कॉपर रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स बनाएगी। इसके अलावा कंपनी ने साइबर दूध बोरिया की दिग्गज स्टील उत्पादक कंपनी पोस्को के साथ साझेदारी का ऐलान किया था। दोनों कंपनियां मिलकर भारत में स्टील की संभावनाओं को तलाश रही हैं।ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि बहुत तेजी के साथ वो अपने बिजनेस का विस्तार कर रहे हैं।

शार्ट न्यूज

केएल राहुल पूर्णत : स्वस्थ, जिम्बाब्वे दौरे पर करेंगे टीम की कप्तानी

मुंबई। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल जिम्बाब्वे दौरे पर टीम की कप्तानी करेंगे। बीसीसीआई ने गुरुवार को यह घोषणा की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिम्बाब्वे दौरे के लिये टीम की घोषणा करते हुए कहा, बीसीसीआई चिकित्सीय टीम ने केएल राहुल की स्थिति का जायज़ा लिया है और उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिये स्वस्थ बताया है। बोर्ड ने कहा, चयनकर्ता समिति ने उन्हें टीम का कप्तान चुना है और शिखर धवन को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी है। इसके अलावा वाशिंगटन सुंदर और दीपक चहर को भी पूर्णतः स्वस्थ होने के बाद टीम में शामिल किया गया है। इस दौरे पर टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम दिया गया है जो 28 अगस्त से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले एशिया कप के लिये तैयारी करेंगे। तीन एकदिवसीय मैचों के लिए भारतीय टीम : केएल राहुल (कप्तान) शिखर धवन (उप-कप्तान), सतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, अवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर।

राष्ट्रमंडल पदक विजेताओं को सम्मानित करेगी हिमाचल सरकार

हमीरपुर/शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में पदक जीतने वाले राज्य के खिलाड़ियों को इनाम देने की गुरुवार को घोषणा की। रजत पदक विजेता रेणुका सिंह ठाकुर (क्रिकेट) और विकास ठाकुर (भारोत्तोलन) को एक-एक करोड़ रुपये की इनाम राशि दी जाएगी। इसी तरह, बेहद करीबी क्वार्टरफाइनल मुकाबला हारने वाले आशीष चौधरी को 10 लाख रुपये से सम्मानित किया जाएगा। हिमाचल के खेल मंत्री राकेश पठानिया ने कहा कि राज्य सरकार की नयी खेल नीति के अनुसार पदक विजेताओं को प्रथम श्रेणी अधिकारी को नौकरों भी पेश की जाएगी।

बोर्ड की चेतावनी के बाद शाकिब ने बेटविनर के साथ अनुबंध रद्द किया

ढाका। बांग्लादेश के शीर्ष ऑल-राउंडर शाकिब अल हसन ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की चेतावनी के बाद गुरुवार को सट्टेबाजी वेबसाइट बेटविनर के साथ अनुबंध रद्द करने का फैसला किया। बीसीबी अध्यक्ष नज़मुल हसन ने इसकी जानकारी दी। नज़मुल ने कहा, मुझे अभी पता चला है कि उन्होंने बोर्ड को पत्र लिखा है। मैंने अभी वो पत्र नहीं पढ़ा, लेकिन मुझे पता चला है कि उन्होंने बोर्ड की सभी शर्तों को मान लिया है। उन्होंने कहा है कि वह हमारी सब बातें मानने के लिये तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में हर तरह की सट्टेबाजी प्रतिबंधित है। शाकिब ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर कैरिबियन की सट्टेबाजी कंपनी बेटविनर न्यूज के साथ साझेदारी की घोषणा की थी, जिसके बाद क्रिकेट प्रशासकों ने उनसे इसका कारण पूछा था। बीसीबी के अध्यक्ष नज़मुल हसन ने गुरुवार को जारी बयान में कहा था कि वह शाकिब की ओर से जवाब की अपेक्षा कर रहे थे और इसपर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि शाकिब बेटविनर के साथ अनुबंध रद्द नहीं करते हैं तो उन्हें टीम से बाहर का रस्ता दिखा दिया जाएगा। उन्होंने कहा था, इसमें कोई दोराय नहीं है। उन्हें इस अनुबंध से बाहर आना होगा वरना वह टीम का हिस्सा नहीं रहेंगे। इसके बाद शाकिब ने बीसीबी को सूचित किया है कि वह बेटविनर के साथ आज समझौते को समाप्त कर देंगे।

बेटविनर समझौते पर बीसीबी ने शाकिब को दी आखिरी चेतावनी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने गुरुवार को दिग्गज ऑल-राउंडर शाकिब अल हसन को आदेश दिया कि वह सट्टेबाजी वेबसाइट 'बेटविनर' के साथ समझौते को रद्द करें या राष्ट्रीय टीम से अलग होने के लिये तैयार हो जाएं। गौरतलब है कि बांग्लादेश में हर तरह की सट्टेबाजी प्रतिबंधित है। शाकिब ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर बेटविनर न्यूज के साथ साझेदारी की घोषणा की थी, जिसके बाद क्रिकेट प्रशासकों ने उनसे इसका कारण पूछा था। बीसीबी के अध्यक्ष नज़मुल हसन ने कहा कि वह शाकिब की ओर से गुरुवार तक जवाब की अपेक्षा कर रहे थे और इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसमें कोई दोराय नहीं है। उन्हें इस अनुबंध से बाहर आना होगा वरना वह टीम का हिस्सा नहीं रहेंगे। उम्मीद की जा रही थी कि शाकिब यूएई में होने वाले एशिया कप और अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की कप्तानी करेंगे। नज़मुल ने इस पर कहा कि यदि वह बेटविनर के साथ अनुबंध को समाप्त नहीं करते तो कप्तानी का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा, वह टीम का हिस्सा भी नहीं होंगे। इसमें समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है। हम इस पर पूरी तरह स्पष्ट हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एशिया कप के लिये स्टाफ़ की घोषणा शाकिब के जवाब के बाद की जाएगी।

द हंड्रेड में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने विल स्मीड

बर्मिंघम। बर्मिंघम फ़ीनिक्स के सलामी बल्लेबाज विल स्मीड द हंड्रेड में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गये हैं। द हंड्रेड एक फ्रेंचाइजी आधारित क्रिकेट टूर्नामेंट है जहां एक पारी में 100 गेंदें होती हैं और इसके नियम फ्यूथारा के क्रिकेट से भिन्न होते हैं। 120 वर्षीय विल ने बुधवार को बर्मिंघम फ़ीनिक्स और सदर्न ब्रेव के बीच खेले गये मैच में इस प्रतियोगिता का पहला शतक जड़ा। विल 50 गेंदों की पारी में आठ चौकों और छह छकों को बदौलत 101 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले द हंड्रेड का सर्वाधिक स्कोर लियाम लिविंग्स्टन और जेमिमाहव रॉड्रिग़्ज़ (92) ने बनाया था। विल ने यह उपलब्धि हासिल करने के बाद कहा, मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं शतक के करीब हूं। मुझे पता था कि वे मुझे बाहर की ओर गेंदबाजी करेंगे, और मैंने गेंद को मारने का प्रयास किया। मेरे अनुसार मेरी जिम्मेदारी गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाना है। मेरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं हुई थी लेकिन मैंने धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ी और पारी को आगे बढ़ाया।

टेस्ट में रूट को पहले पायदान से उतार सकते हैं बाबर : जयवर्धने

दुबई। श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेशा जयवर्धने ने कहा है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में जो रूट का वर्चस्व समाप्त कर पहला स्थान हासिल कर सकते हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट इस दशक में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, और 2021 में उन्हें आईसीसी टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर भी चुना गया था। जब जयवर्धने से आईसीसी रिव्यू के नये एपिसोड में पूछा गया कि टेस्ट में रूट को पहले पायदान से से कौन उतार सकता है, तो उन्होंने कहा, यह एक मुश्किल सवाल है, लेकिन मेरे अनुसार बाबर आजम के पास एक मौका है। वह तीनों प्रारूपों में अच्छे खेले हैं और यह उनकी रैंकिंग में भी देखा जा सकता है। वह स्वाभाविक रूप से प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, हर परिस्थिति में खेलते हैं और अपने खेल को स्थिति के अनुसार ढाल भी लेते हैं। उन्होंने कहा, यह इसपर निर्भर करेगा कि कौन, कब और कितना क्रिकेट खेलता है, लेकिन बाबर ऐसा कर सकते हैं। गौरतलब है कि बाबर एकलौते बल्लेबाज हैं जो तीनों प्रारूपों की आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष तीन में शामिल हैं। हर एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट में जहां वह पहले स्थान पर हैं, वहीं टेस्ट रैंकिंग में वह तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। टेस्ट क्रिकेट में शाहदाद प्रदर्शन के बीच बाबर ने तीनों प्रारूपों में नंबर-1 बनने की मंशा भी जताई है। जयवर्धने ने बाबर पर विश्वास जताते हुए कहा है कि वह इस मुश्किल कार्य को पूरा करने की क्षमता रखते हैं।



रॉस टेलर ने न्यूजीलैंड क्रिकेट में नरसलवाद का आरोप लगाया

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर ने अपनी आत्मकथा 'ब्लैक एंड व्हाइट' में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिम्बाब्वे दौरे के लिये टीम की घोषणा करते हुए कहा, बीसीसीआई चिकित्सीय टीम ने केएल राहुल की स्थिति का जायज़ा लिया है और उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिये स्वस्थ बताया है। बोर्ड ने कहा, चयनकर्ता समिति ने उन्हें टीम का कप्तान चुना है और शिखर धवन को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी है। इसके अलावा वाशिंगटन सुंदर और दीपक चहर को भी पूर्णतः स्वस्थ होने के बाद टीम में शामिल किया गया है। इस दौरे पर टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम दिया गया है जो 28 अगस्त से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले एशिया कप के लिये तैयारी करेंगे। तीन एकदिवसीय मैचों के लिए भारतीय टीम : केएल राहुल (कप्तान) शिखर धवन (उप-कप्तान), सतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, अवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर।

इसके साथ चुनौतियां जुड़ी होती हैं, जिनमें से कई आपको टीम के साथियों या क्रिकेट देखने वाली जनता को नहीं दिखती। क्योंकि क्रिकेट में पोलिनेशियन समुदाय का प्रतिनिधित्व बेहद कम है, मुझे आश्चर्य नहीं होता था जब लोग मुझे माओरी या भारतीय समझ लेते थे। इसी साल क्रिकेट से रिटायर हुए टेलर अपनी मां की तरफ से समोआ से संबंधित थे। उनका कहना है कि उनके साथ थे। तीन नरसलवादी टिप्पणियों को ज्यादातर 'मज़ाक' ही समझा जाता था। उन्होंने कहा, कई मायनों में, ट्रेसिंग

रूम मज़ाक का मापदंड होता है। टीम का एक साथी मुझसे कहता था, 'रॉस, तुम आधे अच्छे आदमी हो, लेकिन कम सा आधा हिस्सा अच्छे है? आप नहीं जानते कि मैं कौनसे हिस्से को अच्छा कह रहा हूं।' मुझे पुरा यकीन था कि मैं जानता था। अन्य खिलाड़ियों को भी अपनी जातीयता पर आधारित टिप्पणियां बदोश करने की जाती थीं। टेलर ने कहा, जाहिर है, एक पाकेहा [न्यूजीलैंड का श्वेत व्यक्ति] इस तरह की टिप्पणियों को सुनकर सोचता होगा, 'ओह, यह ठीक है, यह सिर्फ एक मज़ाक है।' लेकिन वह इसे ग़ोरे

व्यक्ति के रूप में सुन रहा है और यह मज़ाक उसके जैसे लोगों के साथ नहीं हो रहा। इसलिए इस पर कोई प्लेराज नहीं जाता था। कोई उन्हें समझाता नहीं था। 2006 में अपने करियर की शुरुआत करने वाले टेलर ने आगे सवाल किया, आप सोचते हैं कि क्या ऐसे लोगों से बात करनी चाहिये, मगर फिर यह चिंता रहती है कि कहीं आप कोई बड़ी समस्या न खड़ी करें, या आप पर मज़ाक को नरसल से जोड़ने का आरोप न आ जाये। इन सब बातों को नज़रअंदाज़ करना और इनका आदी हो जाना आसान है, लेकिन

कहा, एनज़ेडसी नरसलवाद का विरोध करता है, और न्यूजीलैंड मानवाधिकार आयोग के 'गिव नॉथिंग टू रैसिज़्म' अभियान का कड़ा समर्थक है। हमें बेहद अफसोस है कि रॉस को इस तरह के बर्ताव का सामना करना पड़ा। हम इस मामले पर चर्चा करने के लिये रॉस से संपर्क करेंगे।



निराशाजनक बल्लेबाजी के कारण हारी विंडीज

एग्रेसी जमैका, 11 अगस्त (वार्ता) रोमारियो शेफर्ड (31) और ओडियन स्मिथ (27) के प्रयासों के बावजूद वेस्ट इंडीज को न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को पहले टी20 मैच में 13 रन से हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड ने सबीना पार्क में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 185 रन बनाये, जिसके जवाब में विंडीज 172 रन ही बन सकी। कौबी टीम की ओर से डेवन कॉर्नवे ने 43 (29), जेन्स विलियमसन ने 47 (33) और जेम्स नीशम ने 33 (15) रन बनाये, जबकि गेंदबाजी में मिशेल सैंटरन (तीन विकेट) ने टीम की अगुवाई की। दूसरी ओर, विंडीज की निराशाजनक बल्लेबाजी उनकी हार का मुख्य कारण रही। वेस्ट इंडीज ने 186 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए

एमआई केप टाउन ने रबाडा, राशिद, लिविंग्स्टन को किया शामिल

मुंबई/केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका की फ़रेलू टी20 लीग में मुंबई इंडियन्स की टीम 'एमआई केप टाउन' ने गुरुवार को लीग के पहले संस्करण के लिए कगिसो रबाडा और डेवाल्ड ब्रेविस सहित पांच खिलाड़ियों को अनुबंधित करने की घोषणा की। एमआई केप टाउन ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा कि प्रो-ऑनशन साइनिंग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी कगिसो रबाडा और एक अनकेपड खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस के अलावा अफगानिस्तान के राशिद खान, इंग्लैंड के सैम करन और लियाम लिविंग्स्टन को शामिल किया गया है। रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने इसकी घोषणा करते हुए कहा, हमने 'एमआई केप टाउन' का आगाज कर दिया है, इस शुरुआत से हम उत्साहित हैं। मुझे एमआई परिवार में राशिद, रबाडा, लियाम, सैम का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। डेवाल्ड भी हमारे साथ होंगे। मुझे यकीन है कि एमआई केपटाउन, अन्य दो टीमों की तरह निडर क्रिकेट खेलेंगे।

अब नेपाल को अपने चुंगल में फंसाएगा चीन, अरबों रुपये की सहायता का ऐलान; क्रांस-हिमालयन रेलवे पर भी सहमति

बीजिंग। पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे भारत के पड़ोसी देशों को अपने चुंगल में फंसाने वाले चीन ने अब नेपाल की ओर फोकस शिफ्ट कर दिया है। चीन ने इस वर्ष नेपाल को 15 अरब रुपये (118 मिलियन डॉलर) की अनुदान सहायता देने का वादा किया है। इस पैसे को विभिन्न परियोजनाओं में निवेश किया जाएगा। जो परियोजना सबसे खास बताई जा रही है वह है क्रांस-हिमालयन रेलवे लाइन। स्टेट कार्गोसेक्टर ने कहा कि चीन पैसे लगाएगा, रेलवे लाइन के हिस्से के तहत 15 अरब रुपये की सहायता पर सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने गुरुवार को ये जानकारी दी।



अपनी बातचीत के दौरान एक क्रांस-हिमालयन, बहुआयामी कनेक्टिविटी नेटवर्क बनाने पर सहमति व्यक्त की है। स्टेट कार्गोसेक्टर ने कहा कि चीन पैसे लगाएगा, रेलवे लाइन के वास्ते अध्ययन करने में नेपाल की सहायता करेगा और एक साल के भीतर विरोधों को जांच के लिए नेपाल भेजेगा।

बीजिंग इस क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा

वांग ने कहा कि चीन नेपाल के साथ बिजली परियोजनाओं के साथ ही क्रांस-हिमालयन कनेक्टिविटी परियोजनाओं के निर्माण में भी काम करेगा। चीन के ये वादे दक्षिण एशियाई देशों में उसकी पहुंच को मजबूत करने के इरादों को दर्शाते हैं। बीजिंग इस क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अक्टूबर, 2019 में नेपाल का दौरा किया था। उस समय दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों से आगे बढ़ते हुए 'रणनीतिक भागीदारी'

केरंग-काठमांडू रेलवे प्रोजेक्ट का अध्ययन करेगा चीन

वांग और खडका की बैठक के बाद नेपाली विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि चीनी राजनयिक ने विभिन्न परियोजनाओं के लिए नेपाल को अनुदान सहायता में 800 मिलियन आरएमबी (118 मिलियन डॉलर) देने का वादा किया है। नेपाली बयान के अनुसार, वांग ने घोषणा करते हुए कहा, ... चीन अनुदान सहायता के तहत केरंग-काठमांडू रेलवे प्रोजेक्ट का अध्ययन करेगा। उन्होंने मार्च 2022 में नेपाल की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान सहमति जताई थी कि नेपाल-चीन सीमा पार ट्रांसमिशन लाइन के अध्ययन की भी समर्थन करेंगे। केरंग-काठमांडू रेलवे ट्रांस-हिमालयी बहु-आयामी कनेक्टिविटी नेटवर्क का हिस्सा है। इस योजना के लिए पहली बार 2017 में चीन और नेपाल के बीच औपचारिक रूप से

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसफ (पीटीआई) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शहबाज शरीफ सरकार पर उनकी पार्टी और सेना के बीच दरार पैदा करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। जियो न्यूज ने श्री खान के हवाले से अपने रिपोर्ट में यह जानकारी दी। श्री खान ने कहा है कि पीटीआई के खिलाफ साजिश करने वाले बाहरी साजिश का हिस्सा हैं, जो देश के लिए बेहद खतरनाक है। उन्होंने अपने समर्थकों को बताया कि वर्तमान सरकार उनकी पार्टी को खत्म करना चाहती है।

कंधार अपहरण से पुलवामा हमले तक मुख्य साजिशकर्ता रहा है रऊफ अजहर, अब चीन ने लगाया अड़ंगा

नई दिल्ली। जैश-ए-मोहम्मद का ओहदेदार अब्दुल रऊफ अजहर 1999 में कंधार में आईसी-814 विमान अपहरण की घटना और 2019 में पुलवामा हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में गिना जाता है जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान मारे गए थे। रऊफ को प्रतिबंधित करने के संयुक्त राष्ट्र में आए एक प्रस्ताव पर चीन के रोक लगाने के बाद से वह चर्चा में है। जैश ए मोहम्मद प्रमुख मसू रऊफ अजहर का भाई रऊफ अजहर 1999 से भारतीय प्रतिष्ठानों पर हमलों की साजिश रचने के मामले में सबसे आगे रहा है। इनमें संसद पर 2001 का हमला, अयोध्या में 2005 में हमला और पठानकोट में भारतीय वायु सेना के एक अड्डे पर हमला शामिल हैं। अमेरिका ने उसे 2010 में वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था। वह सबसे पहले 1999 में सुर्खियों में आया था जब काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए उड़ान भरते एक विमान का 24 दिसंबर को अपहरण कर तालिबान के नियंत्रण वाले कंधार ले जाया गया था। जब 31 दिसंबर, 1999 को इस घटनाक्रम का पताचक हुआ तो सुरक्षा

माली में आतंकी हमला, 42 सैनिकों की मौत

बमाको। माली के गाओ क्षेत्र के टैसिट कस्बे के पास आतंकवादी हमले में 42 सैनिकों की मौत हो गयी और 22 घायल हो गए। माली सरकार ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि अशांत तीन-सीमाओं वाले क्षेत्र में गत रविवार को हमले के दौरान लगभग 39 आतंकवादी भी मारे गए। इस इलाके में माली, नाइजर और बुर्किना फासो की सीमाएं मिलती है। बयान में कहा गया है कि हिंसक झड़पें कई घंटों तक चली। बयान में सरकार ने आतंकवादी सशस्त्र समूहों, 'शायद आईएसजीएस (ग्रेटर सहारा में इस्लामिक स्टेट)' द्वारा 'जटिल और समन्वित हमले' की निंदा की, इस हमले में ड्रोन, तोपखाने, विस्फोटक और वाहन बम का इस्तेमाल किया गया था। पश्चिम अफ्रीकी देश माली 2012 से सुरक्षा, राजनीतिक और आर्थिक संकटों का सामना कर रहा है, जिसमें उग्रवाद, जिहादी घुसपैठ और अंतर-सामुदायिक हिंसा जिसमे में हजारों लोग मारे गए और सैकड़ों हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

ताइवान आने वाले यात्रियों के लिए उड़ान पूर्व कोविड परीक्षण में डील दी गयी

ताइपे। ताइवान ने आगामी सोमवार से देश में आनेवाले सभी यात्रियों के लिए उड़ान से दो दिन पूर्व निर्गोटिव न्यूकिलिक एप्सिड टेस्ट की जरूरत को खत्म कर दिया है। द्वीप की रोग निगरानी एजेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने एक वक्तव्य में कहा कि ताइवान में विमान से उतरने के बाद यात्रियों को तीन दिन के आइसोलेशन और चार दिन के स्वयं रोकथाम की निगरानी में रहना होगा। ताइवान में धीरे-धीरे कोविड-19 बचाव उपायों में छूट दी जा रही है क्योंकि द्वीप में महामारी के मामलों में तेजी से कमी आ रही है। ताइवान ने जून से विदेशों से अनुसूचित यात्राओं के लिए आइसोलेंट की अवधि को सात दिनों से कम करके तीन दिन कर दिया है। एजेंसी के गुरुवार के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में स्थानीय लोगों के संपर्क में आने से संक्रमित के 22,650 नए मामलों सामने आए और इस महामारी से 44 लोगों की मौत हो गयी। देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 48 लाख तक पहुंच गयी है।

अमेरिका में मंकीपॉक्स के 10,000 मामले

लॉस एंजिल्स। अमेरिका में मंकीपॉक्स वायरस के 10,000 से अधिक मामले पाए जाने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 10,392 तक हो गई है। देश की राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी, रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सीडीसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में बुधवार को 1,391 मंकीपॉक्स के मामलों की पुष्टि हुई। सीडीसी द्वारा पहली बार 17 मई के बाद से एक दिन में मंकीपॉक्स के 1,000 से अधिक मामलों का पता लगाया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मंकीपॉक्स को वैश्विक महामारी में शामिल किए जाने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन ने पिछले गुरुवार को मंकीपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया। अमेरिकी आलोकनों ने निराशाजी जताई कि यहां के अधिकारियों ने मामलों से निपटने के बजाए डील दी है और टीकों की मांग को पूरा करने में असमर्थ रहे हैं जिससे मामलों की संख्या में वृद्धि जारी है।

अफगानिस्तान में 400 से अधिक निजी विद्यालय बंद

काबुल। अफगानिस्तान में आर्थिक संकट सहित विभिन्न कारणों से 400 से अधिक निजी विद्यालय बंद हो गए हैं। टेलीविजन चैनल टोलोन्यूज ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में निजी स्कूलों के संघ के सदस्य जबीहुल्लाह फुरकानी के हवाले से बताया गया है कि कई विद्यार्थियों ने गरीबी के कारण विद्यालय जाना बंद कर दिया, जबकि कक्षा छह से 12 तक की छात्राएं मौजूदा प्रतिबंध के तहत कक्षाओं में शामिल नहीं हो सकती हैं। तालिबान द्वारा संचालित प्रशासन के मुख्य प्रबन्धक जबीहुल्ला मुजाहिद ने कथित तौर पर बताया कि छात्राओं के विद्यालय में जाने पर प्रतिबंध धार्मिक कारणों से लगाए गए हैं। इससे पहले शिक्षा मंत्रालय ने कहा था कि छठी कक्षा से ऊपर की छात्राओं के विद्यालय जाने पर पाबंदी अस्थायी है।



सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

आंखें यकीनन व्यक्ति के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग हैं। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोशनी को यू ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छे हैं—

कच्ची लाल शिमला मिर्च
शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदुरुस्त बनाने में मदद करता है।

अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

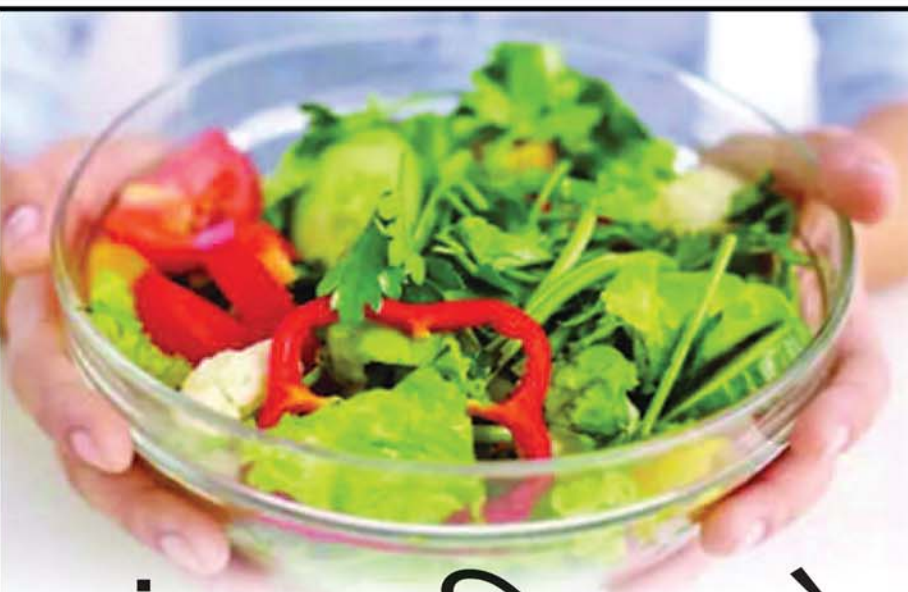
सूरजमुखी के बीज और नट्स सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ-साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां
केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार

सब्जियों में विटामिन सी और डी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जैक्सोथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

सैल्मन
आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा-3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है— डीएचए और ईपीए। आप फेटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी-फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन

फेटी एसिड के कम होने पर लोगों को डार्क आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है। शकरकंद में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।



लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हां इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं मूजक, हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाना जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वर्जित माना गया है। ये और बात है कि यंग जनरेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्प्राउट्स की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शीकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है।

सलाद खाने का सही समय
सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेसन से संबंधित समस्याएं हो जाती हैं।

इतनी देर पहले खाएं
जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।



वेट रहता है कंट्रोल
सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर इटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

सलाद के तरीके
आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिलाकर और मसाला छिड़ककर सेलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वाइंडल करके सेलेड तैयार करना। इसमें सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई-सी भी सलाद खाए आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

व्यों ना खाएं भोजन संग सलाद
सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रेसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्कॉइब या कंपेयर नहीं किया जा सकता)। जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

पाचन में अधिक समय
सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।



अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जानें कैसे करता है कामजोड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, आक्रोचन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फेट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद है। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिये।

अश्वगंधा का सेवन कैसे करें
वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहें तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिलाकर खा सकते हैं। इससे मेटाबोलिज्म तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

सुस्त पड़े मेटाबोलिज्म को बढ़ाएं
अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबोलिज्म बढ़ता है। यह फेट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटों जिम में एक्सरसाइज करते हैं और स्लो मेटाबोलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

स्ट्रेस दूर कर घटाएं मोटापा
स्ट्रेस या कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कोर्टिसोल



पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।

वर्कआउट के लिये बढ़ती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एंड्रिनल ग्लैंड और कोर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है।

अच्छी नींद लाए

रात को अगर आप अथूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक़्त आपका शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद न आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।

